दैनिक

पुष्पांजली टुडे

नई सोच नई पहल

वर्ष 04 : अंक : 99 | ग्वालियर, शनिवार 29 मई 2021 | pushpanjalitoday@gmail.com | मूल्य : 01, रुपए, पृष्ठ 8

यास चक्रवात: पीएम मोदी ने मृतकों के परिजनों को

2 लाख, घायलों को 50 हजार रुपये देने की घोषणा की

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवार को चक्रवाती तूफान यास के प्रभाव की समीक्षा करने के लिए ओडिशा और पश्चिम बंगाल के दौरे पर हैं. चक्रवाती तूफान यास ने पश्चिम बंगाल और ओडिशा में जमकर कहर बरसाया है. पीएम मोदी चक्रवात यास से हुए नुकसान का जायजा लिया. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भुवनेश्वर पहुंचकर चक्रवात यास के प्रभाव पर मुख्यमंत्री नवीन पटनायक के साथ बैठक की. इसके बाद पीएम ने हवाई सर्वेक्षण किया. पीएम ने उन सभी लोगों के साथ अपनी पूरी एकजुटता व्यक्त की जो चक्रवात के कारण पीड़ित हुए और आपदा के दौरान अपने परिजनों को खोने वाले परिवारों के प्रति गहरा दुख व्यक्त किया. उन्होंने मृतकों के परिजनों को 2 लाख रुपये और गंभीर रूप से घायलों

को 50,000 रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की. पीएमओ ने कहा कि नुकसान की सीमा का आकलन करने के लिए केंद्र राज्यों का दौरा करने के लिए एक अंतर-मंत्रालयी दल तैनात करेगा, जिसके आधार पर आगे की सहायता दी जाएगी. पीएम ने ओडिशा, पश्चिम बंगाल और झारखंड को आश्वासन दिया कि केंद्र इस कठिन समय में राज्य सरकारों के साथ मिलकर काम करेगा. इससे पहले पीएम नरेंद्र मोदी ने दिल्ली में चक्रवात यास के प्रभाव की समीक्षा के लिए एक बैठक की. अधिकारियों ने तैयारियों के विभिन्न पहलुओं, नुकसान के आकलन और संबंधित मामलों पर विस्तार से जानकारी साझा की. बैठक में बताया गया कि पश्चिम बंगाल और ओडिशा में 46 टीमों के साथ एनडीआरएफ की लगभग 106 टीमों को तैनात किया गया. इन्होंने एक हजार से ज्यादा व्यक्तियों को बचाया और 2500 से अधिक पेड़ों और पोलों को हटाया, जो सड़कों पर गिरे और बाधित हुए थे. सेना और तटरक्षक बल नाम के रक्षा बलों ने भी फंसे हुए लोगों को बचाया, जबकि नौसेना और वायु सेना अलर्ट पर थी. चक्रवाती तूफान यास बुधवार को देश के पूर्वी तटों से टकराया था. यास के कारण ओडिशा, पश्चिम बंगाल और झारखंड में तबाही मची है. तीनों ही राज्यों में 21 लाख से अधिक लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है.

मैं गोमूत्र अर्क लेती हूं और मुझे कोरोना नहीं है : साध्वी प्रज्ञा

नई दिल्ली। साध्वी प्रज्ञा सिंह ठाकुर ने कहा कि सन्यासियों, सनातन संस्कृति का अपमान किया है. हां मैं गोमूत्र अर्क लेती हूं और मुझे कोरोना नहीं है. मुझे अस्वस्थ बता कर देशभक्तों और गौभक्तों का अपमान किया है. कोरोना संकट के संवेदनशील समय में देश विरोधी लोगों का साथ देकर डॉक्टर्स और देश को भ्रमित किया? साध्वी प्रज्ञा सिंह ठाकुर ने कहा कि मुझे अस्वस्थ बता कर देशभक्तों और गौभक्तों का अपमान किया है. कोरोना संकट के संवेदनशील समय में देश विरोधी लोगों का साथ देकर डॉक्टर्स और देश को भ्रमित किया? 1928 में अंग्रेजों द्वारा स्थापित (एनजीओ) आईएमए के पूर्व अध्यक्ष ने 24/5/2021 को एक प्राइवेट चैनल में मेरे स्वास्थ्य के बारे में असत्य कहा. मैं स्वस्थ हूं और अपने भोपाल में कोरोना पीड़ितों की सेवा में रत हूं. डॉक्टर ने महर्षि पतंजलि के योग, भगवान धनवंतरिके आयुर्वेद, गौमाता, भारतीय वेशभूषा, साधु पर टिप्पणी की.

सागर धनखड़ मर्डर केस: पुलिस ने विजेंद्र पहलवान को किया गिरफ्तार

नई दिल्ली। सागर धनकड़ मर्डर केस में एक और गिरफ्तारी, अब पुलिस ने विजेंद्र नाम के पहलवान को गिरफ्तार किया, यह भी क्राइम स्पॉट पर मौजूद था, कुल 9 गिरफ्तारियां हो चुकी हैं. बता दें कि पहलवान सागर धनखड़ हत्याकांड मामले में आरोपी पहलवान सुशील कुमार अब तक अदालत के सामने दलील दे रहा था कि वह छत्रसाल स्टेडियम में पहलवानों के झगड़े में बीच-बचाव की कोशिश कर रहा था, लेकिन मर्डर स्पॉट के एक वीडियो ने उसकी पोल खोलकर रख दी है. सुशील कुमार की कहानी में वो खुद को नायक बता रहा था लेकिन वीडियो ने उसे सबसे बड़ा खलनायक बना दिया है. छत्रसाल स्टेडियम में मर्डर के वीडियो से सुशील के डिफेंस की पोल खुल चुकी है.

टीकों की कमी पर केंद्र का जवाब

राज्यों के पास अब भी वैक्सीन की 1.84 करोड़ डोज मौजूद

नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के पास लगाने के लिए अब भी कोविड टीके की कुल 1,84,92,677 खुराकें उपलब्ध हैं. साथ ही कहा कि 3,20,380 खुराकें और भेजने की तैयारी है जो उन्हें अगले तीन दिन के भीतर प्राप्त हो जाएंगी. राष्ट्रव्यापी टीकाकरण अभियान के तहत, केंद्र मुफ्त में टीके उपलब्ध कराकर राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को सहायता दे रहा है. इसके अलावा, केंद्र सरकार राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों द्वारा टीकों की सीधी खरीद को भी सुविधाजनक बना रही है. टीकाकरण वैश्विक महामारी की रोकथाम एवं प्रबंधन के लिए भारत सरकार की व्यापक रणनीति का अभिन्न स्तंभ है. इस रणनीति में जांच, संक्रमितों के संपर्कों की पहचान, उपचार और कोविड-19 उपर्युक्त व्यवहार भी शामिल है. सभी के लिए कोविड-19 टीकाकरण के तीसरे चरण की

शुरुआत एक मई को हुई थी. बता दें कि कई राज्यों में कोरोना के टीकों की कमी के कारण टीकाकरण रोक दिया गया है. इस मसले पर केंद्र और राज्य सरकारों में ठनी हुई है. केंद्र सरकार ने निःशुल्क माध्यमों और सीधी खरीद के माध्यम से राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को अब तक 22.46 करोड़ से अधिक खुराकें उपलब्ध कराई हैं. शुक्रवार को सुबह आठ बजे तक के आंकड़ों के मुताबिक, बर्बाद हुई खुराकें मिलाकर अब तक कुल खपत 20,48,04,853 खुराकों की हुई है. तीसरे चरण की रणनीति के तहत, हर महीने भारत सरकार किसी भी टीका निर्माता की केंद्रीय औषधि प्रयोगशाला (सीडीएल) द्वारा मंजूरी प्राप्त टीकों की 50 प्रतिशत खुराकों की खरीद करेगी. मंत्रालय ने कहा कि सरकार ने राज्यों को पहले की ही तरह टीके निःशुल्क उपलब्ध कराना जारी रखेगी. देश के कई राज्य कोरोना वायरस टीकों की कमी की लगातार शिकायत कर रहे हैं. हालांकि इसमें कुछ राजनीति भी है. फिर भी कई राज्यों ने टीकों की कमी होने की वजह से टीकाकरण अभियान को रोक दिया है. इनमें भी महाराष्ट्र और दिल्ली प्रमुख हैं. ये राज्य लगातार केंद्र सरकार से ग्लोबल टेंडर के जरिये वैक्सीन खरीदने की बात कर रहे हैं. ऐसे में कुछ राज्य ऐसे हैं जहां टीके की बर्बादी अभी भी जारी है. केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से जारी नए आंकड़ों के मुताबिक कोविड-19 वैक्सीन की बर्बादी के मामले में झारखंड, छत्तीसगढ़ और तमिलनाडु शीर्ष पर हैं. इन राज्यों में टीके की बर्बादी राष्ट्रीय औसत से भी कहीं ज्यादा है.

वीडियो ने खोली पहलवान सुशील की पोल, रिमांड बढ़ाने की मांग करेगी पुलिस

नई दिल्ली। पहलवान सागर धनखड़ हत्याकांड मामले में आरोपी पहलवान सुशील कुमार अब तक अदालत के सामने दलील दे रहा था कि वह छत्रसाल स्टेडियम में पहलवानों के झगड़े में बीच-बचाव की कोशिश कर रहा था, लेकिन मर्डर स्पॉट के एक वीडियो ने उसकी पोल खोलकर रख दी है. सुशील कुमार की कहानी में वो खुद को नायक बता रहा था लेकिन वीडियो ने उसे सबसे बड़ा खलनायक बना दिया है. छत्रसाल स्टेडियम में मर्डर के वीडियो से सुशील के डिफेंस की पोल खुल चुकी है.पहलवान सागर धनखड़ हत्याकांड मामले में गिरफ्तार सुशील कुमार के खिलाफ दिल्ली पुलिस सबूत एकत्र करने में जुटी हुई है. कल रात को ही इस पूरे मामले से जुड़ा एक वीडियो भी सामने आया है. जिसमें ओलिंपिक पदक विजेता पहलवान सुशील कुमार हाथ में लाठी लेकर सागर धनकड़ और सोनू महाल को पीटता हुआ भी दिख रहा है. अदालत के समक्ष सुशील कुमार ने यह दलील दी थी कि 4 मई की रात हुए झगड़े में वह शामिल नहीं था. वह वहां पर सिर्फ इसलिए मौजूद था कि दो पक्षों के बीच हुए झगड़े रोका जा सके, जबकि जो वीडियो सामने आया है उसमें सुशील कुमार के हाथ में लाठी नजर आ रही है. और वह उस लाठी से उन दोनों पर वार करता भी दिख रहा है. सुशील अपनी बनाई फिल्म का खलनायक ही नहीं डायरेक्टर भी है. सुशील ने बाकी पहलवानों के बीच अपना दबदबा दिखाने के लिए यह वीडियो अपने साथी प्रिंस से खुद शूट करवाया था. अब यही वीडियो अदालत में उसके खिलाफ सबसे बड़ा सबूत बनेगा. दरअसल पुलिस को आशंका है कि इस मामले में गवाहों को प्रभावित करने और उन्हें तोड़ने की कोशिश की जा

सकती है. इस मामले में घायल सोनू महाल का क्रिमिनल रिकॉर्ड है, इसलिए पुलिस को उसकी गवाही पर ऐतबार नहीं है. ऐसे में यह वीडियो पुलिस के लिए बड़ा सहारा है अदालत के समक्ष अपनी चार्जशीट को साबित करके सुशील का जुर्म सिद्ध करने का. यही वजह है कि पुलिस ने एफएसएल जांच के जरिए इस वीडियो की भी जांच कराई है. इस बीच दिल्ली पुलिस सागर धनकड़ हत्या मामले में सुशील कुमार समेत 8 लोगों को गिरफ्तार कर चुकी है. 8वीं गिरफ्तारी रोहित करोर की हुई है, जो 14 साल से पहलवानी कर रहा था. पुलिस का कहना है कि वह मर्डर वाली रात छत्रसाल स्टेडियम में मौजूद था. रोहित करोर, सुशील का पुराना साथी है. अब सुशील कुमार के खिलाफ न केवल सागर धनकड़ की हत्या का आरोप है, बल्कि यह भी आरोप है कि सुशील के संपर्क कई गैंगस्टर के साथ भी हैं.

जिला प्रशासन कोरोना से हुए अनाथ बच्चों को दें बुनियादी जरूरत : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। कोरोना वायरस की वजह से देशभर में कई लोगों की मौत हुई हैं. कितने परिवार अनाथ हो गए हैं. कई बच्चों के सिर से माता-पिता का साया उठ गया. इस विकट संकट की स्थिति में सरकार लोगों को मदद पहुंचा रही है. वहीं, इस बीच सुप्रीम कोर्ट ने देशभर के जिला प्रशासन को निर्देश दिया है कि कोरोना से हुए अनाथ बच्चों को बुनियादी जरुरत दें. सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अगले आदेश की प्रतीक्षा किए बिना, एक या दोनों माता-पिता को कोविड -19 में खो जाने के बाद अनाथ बच्चों की बुनियादी जरूरतों का तुरंत ध्यान रखा जाए. कोरोना महामारी में अपने अभिभावकों को खो चुके बच्चो को कोई दिक्कत न हो, उसकी बुनियादी जरूरते पूरी हो सके, सुप्रीम कोर्ट ने देश भर में जिला अधिकारियों को ये सुनिश्चित करने को कहा है. कोर्ट ने कहा कि मार्च 2020 के बाद से अपने अभिभावकों को खोने वाले ऐसे बच्चों की जानकारी पर शनिवार शाम तक अपलोड करें. उनकी ज़रूरत को पूरा करने के लिए कोर्ट के अगले आदेश का इतजार न करे. कोर्ट ने केंद्र और राज्यों से ऐसे बच्चों की सँख्या और प्रशासन की ओर से उनकी सहायता के लिए किए कामों की जानकारी भी मांगी है. एमिकस क्युरी गौरव अग्रवाल ने कोर्ट का ध्यान इस ओर दिलाया था कि महामारी के चलते/ या दूसरी वजह से अपने एक या दोनों अभिभावकों को खो चुके बच्चों को राहत के लिए प्रयास करने की ज़रूरत है. ऐसे बच्चे विशेषकर लड़कियां मानव तस्करी का शिकार हो रही है. लिहाज़ा कोर्ट ज़रूरी निर्देश जारी करे.

कोरोना से डेढ़ माह बाद राहत के संकेत, 24 घंटे में 1.86 लाख मामले

नई दिल्ली। कोरोना वायरस संक्रमण की दूसरी लहर का कहर झेल रहे देश को लगभग डेढ़ महीने बाद राहत मिलती दिख रही है. बीते 24 घंटों में कोविड-19 संक्रमण के 1,86,163 नए मामले सामने आए हैं. इस हफ्ते में यह दूसरी बार है जब संक्रमण का आंकड़े दो लाख से कम रहे. इससे पहले सोमवार को पहली बार दो लाख से कम मामले सामने आए थे. पिछली बार 13 अप्रैल को सबसे कम 1,85,295 मामले सामने आए थे. हालांकि मौतों का आंकड़ा अब भी 3000 के ऊपर बना हुआ है. फिर भी राहत की बात यही है कि जो आंकड़ा चार हजार के आसपास था, वह कम हो रहा है. मृत्यु दर के मामले में सबसे अधिक मौत कर्नाटक में हुई है और दूसरे नंबर पर तमिलनाडु है.

पीएम मोदी के रिव्यू मीटिंग में 30 मिनट देरी से पहुंची सीएम ममता बनर्जी

कोलकाता। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवार को यास साइक्लोन से प्रभावित इलाकों का एरियल सर्वे करने पश्चिम बंगाल पहुंचे. यहां उन्होंने एक रिव्यू मीटिंग में हिस्सा लिया. लेकिन इस मीटिंग में पीएम मोदी और राज्यपाल जगदीप धनखड़ को करीब 30 मिनट इंतजार करना पड़ा. सरकारी सूत्रों ने दावा किया है कि पीएम और राज्यपाल ने रिव्यू मीटिंग में शामिल होने के लिए बंगाल की सीएम ममता बनर्जी का 30 मिनट तक इंतजार किया. इस घटना को लेकर पश्चिम बंगाल के राज्यपाल जगदीप धनखड़ ने ट्वीट कर कहा कि टकराव का ये रुख राज्य या लोकतंत्र के हित में नहीं है. सीएम और अधिकारियों द्वारा गैर-भागीदारी संवैधानिकता या कानून के शासन के अनुरूप नहीं है. वहीं, सीएम ममता बनर्जी का कहना है कि उन्होंने दीघा रवाना होने से पहले पीएम को जमीनी स्थिति से अवगत

करा दिया. उन्होंने कहा कि हिंगलगंज और सागर में समीक्षा बैठक करने के बाद, मैं कलाईकुंडा में पीएम से मिली और उन्हें पश्चिम बंगाल में चक्रवात के बाद की स्थिति से अवगत कराया. जानकारी के लिए आपदा रिपोर्ट उनको सौंपी गई है. सीएम ममता ने कहा कि मैं अब दीघा में राहत और बहाली कार्य की समीक्षा करने के लिए आगे बढ़ रही हूं. पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बताया कि राज्य में चक्रवात यास से हुई तबाही और बर्बादी का लेखा-जोखा पर मुख्य सचिव ने प्रधानमंत्री मोदी को एक रिपोर्ट सौंपी है.बंगाल सरकार ने दावा किया है कि इस प्राकृतिक आपदा के कारण कम से कम एक करोड़ लोग प्रभावित हुए हैं और तीन लाख मकान क्षतिग्रस्त हो गए. बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि चक्रवात के कारण राज्य सबसे अधिक प्रभावित हुआ है.

ओडिशा के लोगों के साथ खड़े होने के लिए पीएम मोदी को धन्यवाद देता हूं: धर्मेंद्र प्रधान

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवार को भुवनेश्वर पहुंचे और यहां एक बैठक में 'यास' चक्रवात से राज्य के विभिन्न इलाकों में हुए नुकसान की समीक्षा की. इस दौरान उनके साथ राज्यपाल गणेशी लाल, ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक, केंद्रीय मंत्रियों धर्मेंद्र प्रधान और प्रताप सारंगी ने बीजू पटनायक मौजूद थे. वहीं, देवगढ़ से भाजपा सांसद और केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि मैं ओडिशा के लोगों के साथ एकजुटता से खड़े होने के लिए पीएम मोदी को धन्यवाद देता हूं, खासकर सबसे कमजोर समय के दौरान.

पिछले 24 घंटों में कोरोना के 1141 नए मामले, 139 मरीजों की मौत

नई दिल्ली। देश की राजधानी में कोरोना के मामलों में लगातार कमी आ रही है. पिछले 24 घंटों में कोरोना के 1141 नए मामले सामने आए हैं, जबकि 139 मरीजों की मौत हुई है. साथ ही दिल्ली में एक्टिव मामलों की संख्या 15,000 से कम हो गई है. चार अप्रैल के बाद सबसे कम है. कोरोना का रिकवरी रेट 97.29 प्रतिशत और एक्टिव मरीज 1.02 फीसदी हैं. अबतक कोरोना के 14,23,690 कुल मामले हो चुके हैं. पिछले 24 घंटे में 2799 मरीज अस्पताल से डिस्चार्ज होकर घर चले गए हैं, जबकि अब तक 13,85,158 मरीज ठीक हो चुके हैं. दिल्ली में पिछले 24 घंटे में 139 कोरोना मरीजों ने दम तोड़ दिया है, जबकि अब तक कोरोना से 23,951 लोगों की मौत हो चुकी है. अभी कोरोना के 14,581 एक्टिव मामले मौजूद हैं. पिछले 24 घंटों में कोविड के 71,853 टेस्ट हुए, जबकि अब तक हुए कुल 1,90,81,127 टेस्ट हो चुके हैं. राष्ट्रीय राजधानी में पिछले कई दिनों से कोरोना संक्रमण के मामले कुछ कम होते दिख रहे हैं. इस बीच शुक्रवार को हुई दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएमए) की बैठक में क्रमबद्ध तरीके से दिल्ली को अनलॉक करने का फैसला लिया गया है. राजधानी में 20 अप्रैल से सख्त लॉकडाउन लगाया गया था. मुख्यमंत्री अरविंद

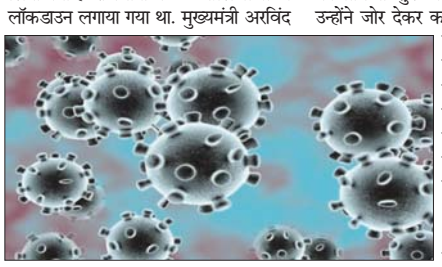

केजरीवाल ने डिजिटल प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान इस संबंध में जानकारी दी। उन्होंने बताया है कि 31 मई सोमवार सुबह से दिल्ली में फैक्ट्रियों को खोल दिया जाएगा और इसके साथ ही निर्माण कार्य (कंस्ट्रक्शन) भी शुरू हो जाएंगे. दिल्ली के उपराज्यपाल अनिल बैजल, जो डीडीएमए के अध्यक्ष भी हैं, के साथ एक बैठक के बाद, मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि समय आ गया है, जब लॉकडाउन हटाने की प्रक्रिया शुरू करने की आवश्यकता है. उन्होंने जोर देकर कहा कि दिल्ली के लोगों ने इस कोविड महामारी के दौरान और एक महीने के लॉकडाउन के कारण भी बहुत कुछ झेला है. उन्होंने कहा कि जो मजदूर और दैनिक वेतन भोगी के रूप में काम कर रहे हैं, उनकी आजीविका चली गई है और यह निर्णय लिया गया है कि ये दोनों गतिविधियां सोमवार (31 मई) से खोली जाएंगी. केजरीवाल ने कहा, बैठक के दौरान यह निर्णय लिया गया है कि कोविड-19 की स्थिति नियंत्रण में है, क्योंकि दैनिक मामले और पॉजिटिविटी रेट कम हो गई है और अब हमें आर्थिक गतिविधियों पर भी ध्यान देना होगा. कई गरीब परिवारों ने लॉकडाउन के कारण अपनी आजीविका खो दी है और इसलिए यह निर्णय लिया गया है कि दो प्रकार की गतिविधियां - दिल्ली में निर्माण कार्य और फैक्ट्री सोमवार से काम करना शुरू कर देंगे. एक वरिष्ठ अधिकारी ने आईएएनएस को बताया कि स्वीकृत औद्योगिक क्षेत्रों में विनिर्माण, उत्पादन इकाइयों के संचालन, दिल्ली के भीतर श्रमिकों को नियोजित करने वाली गतिविधियों को कार्य करने की अनुमति दी जाएगी. डिजिटल प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए केजरीवाल ने यह भी कहा कि कोविड मामलों की संख्या को ध्यान में रखते हुए अनलॉक की प्रक्रिया को और बढ़ाया जाएगा. उन्होंने कहा, हर हफ्ते हम जनता के सुझावों और विशेषज्ञों के विचारों के आधार पर धीरे-धीरे अनलॉक की प्रक्रिया को जारी रखेंगे. अगर मामले फिर से बढ़ने लगे तो हमें इस प्रक्रिया को रोकना होगा। सभी को सावधानी बरतने की जरूरत है. लॉकडाउन मजबूरी में लगाया जाता है। हम इसे थोपना नहीं चाहते हैं.

ग्वालियर से प्रकाशित

दैनिक पुष्पांजली टुडे

राष्ट्रीय मासिक पत्रिका, ऑनलाइन न्यूज चैनल, पोर्टल, एंड्रॉयड ऐप

को

सम्पूर्ण भारत में नियुक्त करना है

ब्यूरो चीफ/रिपोर्टर

मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान, हरियाणा, गुजरात, बिहार, झारखंड, उड़ीसा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, आंध्रप्रदेश, अरूणाचल प्रदेश, असम, गोआ, कर्नाटक, केरल

आदि राज्यों के जिला एवं तहसील स्तर पर मनोनीत करना है

सम्पर्क करें

जी.एस. प्लाजा सूर्य मंदिर रोड गोले का मंदिर, ग्वालियर मध्यप्रदेश

फोनः 0751-4901403

मो. 8269307478,7879637585, 8770253710

Website-www.pushpanjalitoday.com
Email.- pushpanjalitoday@gmail.com

एक नजर...

कोरोना से प्रभावित बच्चों की सहायता हेतु हेल्पलाईन नम्बर जारी

पंकज त्रिपाठी स्टेट ब्यूरो चीफ
दैनिक पुष्पांजली टुडे

खण्डवा। कोविड महामारी के कारण ऐसे बच्चे जिनके माता-पिता की मृत्यु हो चुकी है और बच्चों की देखरेख करने वाला कोई व्यक्ति नहीं है, तथा ऐसे बच्चे जिनके माता -पिता कोविड से पीडित होकर इलाज के लिये अस्पताल में भर्ती है, और बच्चों की देखरेख एवं संरक्षण हेतु अस्थाई आश्रय या अन्य सहायता की तत्काल आवष्यकता है। ऐसे बच्चों की सहायता हेतु कोई भी व्यक्ति इन हेल्पलाईन नम्बर पर संपर्क कर सकता है।

अधिकारी/कर्मचारी का नाम संपर्क नम्बर– प्रमोद कुमार पाण्डेय, संयुक्त कलेक्टर एवं प्रभारी जिला बाल संरक्षण अधिकारी, महिला एवं बाल विकास विभाग, खण्डवा 8305424331

श्रीमती मीनाकांता एक्का, सहायक संचालक (आई.सी.पी.एस.) 9424687677
श्री विजय सनावा, अध्यक्ष, बाल कल्याण समिति खण्डवा 9009906488
श्री नारायण बाहेती, सदस्य, बाल कल्याण समिति खण्डवा 9425639111
श्रीमती षिल्पी रॉय, , सदस्य, बाल कल्याण समिति खण्डवा 9074131087
श्रीमती अनिता शाह, सदस्य, बाल कल्याण समिति खण्डवा 9340015950
सुश्री मोना दफ्तरी , सदस्य, बाल कल्याण समिति खण्डवा 9826461817
श्री दीपक लाड, समन्वयक रेल्वे चाईल्ड लाईन खण्डवा 9755530364
सिस्टर सीमा भालराय,समन्वयक डिस्ट्रीक्ट चाईल्ड लाईन खण्डवा 8959659318

राज्य स्तरीय हेल्पलाईन नम्बर 181
राज्य स्तरीय व्हाट्सएप नम्बर 9407896571
चाईल्ड हेल्पलाईन नम्बर 1098,

लड़की को बहला-फुसलाकर भगा ले जाने के मामले में फरार आरोपी युवक गिरफ्तार

एटा। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक उदय शंकर सिंह के निर्देशन में थाना जैथरा पुलिस द्वारा थाना जैथरा पर पंजीकृत वांछित चल रहे आरोपी युवक शिवम को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की गयी है। गुरुबार को पीड़ित द्वारा थाना जैथरा पर इस आशय की सूचना दी गयी कि उसकी पुत्री जो इंटर कॉलेज में 12वीं की छात्रा है, उसी के साथ पढ़ने वाला शिवम पुत्र योगेंद्र सिंह निवासी मेदूपुरा थाना जैथरा को उसे बहला फुसलाकर अपने साथ ले गया है। इस सूचना पर थाना जैथरा पर अभियोग पंजीकृत किया गया। थाना जैथरा पुलिस द्वारा शुक्रबार को मुखबिर की सूचना पर उक्त अभियोग के वांछित आरोपी युवक शिवम पुत्र योगेंद्र सिंह निवासी मेदूपुरा थाना जैथरा को वरना तिराहे के पास से गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार अभियुक्त के विरुद्ध थाना जैथरा से आवश्यक वैधानिक कार्यवाही की जा रही है।

कलेक्टर व एसपी ने राग इनोवेशन इंडस्ट्री का अवलोकन किया

नीरज त्रिपाठी पुष्पांजली टुडे

भिण्ड(ब्यूरो)। कलेक्टर डॉ सतीश कुमार एस एवं एसपी मनोज कुमार सिंह ने अटेर के ग्राम मनेपुरा में सैनिटरी पैड बनाने वाली राग इनोवेशन इंडस्ट्री का अवलोकन किया। इंडस्ट्री के संचालक अनुराग बौहरे ने सैनिटरी पैड बनाने की विधि से अवगत कराया। साथ ही कलेक्टर डॉ सतीश कुमार एस एवं एसपी मनोज कुमार सिंह ने राग इनोवेशन सैनिटरी पैड चलित वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर सहायक कलेक्टर केवी विवेक, डीएसपी मोतीलाल कुशवाह, पत्रकारगण उपस्थित थे।

मंत्री डॉ भदौरिया ने क्राइसिस मैनजमेंट ग्रुप की वर्चुअल बैठक ली

पंकज त्रिपाठी स्टेट ब्यूरो चीफ

छिंदवाड़ा। प्रदेश के सहकारिता एवं लोक सेवा प्रबंधन व जिले के कोविड प्रभारी मंत्री डॉ.अरविंद सिंह भदौरिया ने कोविड-19 के प्रबंधन के संबंध में क्राइसिस मैनेजमेंट ग्रुप के सभी सदस्यों से वर्चुअल चर्चा की और कोरोना संक्रमण में कमी के दृष्टिगत छूट के संबंध में सुझाव लिए। इस वर्चुअल मीटिंग में कलेक्टर सौरभ कुमार सुमन, एसपी विवेक अग्रवाल, एडीएम श्रीमती रानी बाटड, जिला पंचायत सीईओ गजेंद्र सिंह नागेश व जिला क्राइसिस मैनेजमेंट के कुछ सदस्य कलेक्ट्रेट सभाकक्ष से और शेष सभी वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से शामिल हुए।

पदोन्नत सहायक उपनिरीक्षक मनोज कुमार को एस.डी.ओ.पी अवनीश बंसल ने लगाया स्टार एवम मिठाई खिलाकर दी बधाई

लहार(अर्पित गुप्ता)। भिंड जिले के असवार थाने में पदस्थ प्रधान आरक्षक मनोज कुमार पदोन्नत होकर सहायक उपनिरीक्षक बनाये गए। जिन्हें आज एस.डी.ओ.पी अवनीश बंसल एवम लहार थाना उपनिरीक्षक सत्येंद्र सिंह कुशवाहा एवम मलखान सिंह परिहार ने सहायक उपनिरीक्षक बने मनोज कुमार को स्टार लगाकर एवम मिठाई खिलाकर बधाई दी इस मौके पर उन्होंने कहा कि ईश्वर से कामना है कि आप ऐसे ही तरक्की करते रहे और आगे बढ़े इस मौके पर अनुविभागीय कार्यालय लहार का समस्त स्टाफ मौजूद रहा ।

36 हजार बच्चों पर एक डॉक्टर: कोरोना की तीसरी लहर से बच्चों को कैसे बचाओगे, सुमावली, बामौर, पहाड़गढ़ और झुंडपुरा में तो डॉक्टर ही नहीं

गौरव शर्मा

मुरैना। जिले में सीएमएचओ व सिविल सर्जन सहित बच्चों के कुल 16 डॉक्टर 14 डॉक्टरों के भरोसे पूरा जिला, बच्चों की संख्या लगभग पांच लाख कोरोना की तीसरी लहर आने की बात कही जा रही है। यह लहर बच्चों के लिए सबसे ज्यादा खतरनाक भी बताई जा रही है। मुरैना जिले की जनसंख्या 22 लाख, 50 हजार है, जिसमें ढाई लाख की संख्या पांच साल तक के बच्चों की है। कुल बच्चों की संख्या पांच लाख है। इस प्रकार 36 हजार बच्चों पर एक चिकित्सक है। अगर लहर आती है तो क्या एक डॉक्टर इतने बच्चों का इलाज कर सकता है? कोरोना की दूसरी लहर ने बता दिया है कि, यह मानवजात के लिए कितनी खतरनाक है। जिनके घरों के सदस्य गए हैं, वह अभी सदमे से उबरे नहीं हैं। तीसरी लहर बच्चों के लिए खतरनाक बताई जा रही है। इसके पीछे एक प्रमुख कारण बच्चों का वैक्सीनेशन नहीं होना है। 18 साल से ज्यादा उम्र के लोगों को वैक्सीन तेजी से लगाई जा रही है। सवाल, अब, उन बच्चों का है। जिनको वैक्सीन लगना तो दूर,अभी आई तक नहीं है। ऐसे में बच्चों का जीवन संकट में आ रहा है और जिले के अस्पतालों ने इस सुनामी से बच्चों को बचाने के लिए खास तैयारियां नहीं की हैं एक नजर **जिले के स्वास्थ्य केन्द्र व उन पर तैनात बच्चों के डॉक्टरों**–

पर जिला अस्पताल मुरैना यहां सीएमएचओ डॉ. एडी शर्मा, सिविल सर्जन डॉ. अशोक गुप्ता, डॉ. राहुल गुप्ता, डॉ. ब्रजेश कटारे, डॉ. नरेश गांगिल, डॉ. दिलीप राठौर, डॉ. देशराज गुर्जर पदस्थ हैं। इन सात चिकित्सकों में अगर सीएमएचओ व सिविल सर्जन को छोड़ दिया जाए तो केवल पांच ही पीडयाट्रिक्स चिकित्सक बचते हैं। इसके अलावा बच्चों के एसएनसीयू (न्यूअन केयर यूनिट) में कुल चार चिकित्सक हैं। इनमें डॉ. विकास शर्मा, डॉ. राकेश शर्मा, डॉ. अंशुल तोमर व डॉ. बनवारी गोयल शामिल हैं। ग्रामीण **क्षेत्रों में बुरा हाल**–जिले के ग्रामीण क्षेत्रों की जनसंख्या सबसे अधिक है। वहीं इन्हीं क्षेत्रों में शिशु रोग चिकित्सकों की कमी है। जहां लगभग हर कस्बे में एक-एक शिशु रोग चिकित्सक है, वहीं अन्य जगहों पर तो एक भी नहीं है। ऐसे में अगर संबंधित कस्बों के बच्चे कोरोना से संक्रमित होते हैं, तो उनका इलाज कैसे संभव हो सकेगा। इस विषय में **जिला स्तर पर अभी तक कोई रणनीति नहीं बनी है ग्रामीण क्षेत्रों में सबसे अधिक लापरवाही**–जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में सबसे अधिक लापरवाही बरती जा रही है। बच्चे तो दूर की बात, बड़े तक मुंह पर मास्क नहीं लगा रहे हैं। स्थिति यह है कि किसी-किसी गांव में तो अधिकांश लोग बिना मास्क और सोशल डिस्टेंसिंग के रह रहे हैं। ऐसे में कोरोना संक्रमण फैलने की अधिक आशंका है। इस संबंध में जब जिले के एडीएम नरोत्तम भार्गव से बात की, तो उन्होंने कहा कि आज शाम को सीएम की बैठक है। उसमें बच्चों के लिए आईसीयू व पीडियाट्रिक्स डॉक्टरों की व्यवस्था को लेकर दिशा-निर्देश बताए जाएंगे।

नगर में टीकाकरण के लिए आम जनता काट रही हैं चक्कर

दबोह(अर्पित गुप्ता)। इस विश्व व्यापी कोरोना महामारी ने पूरे दुनिया को हिला कर रख दिया है और शासन भी इस महामारी की रोकथाम के लिए सामाजिक संगठन नियुक्त कर वॉलिंटियर्स के द्वारा एक जन जागरण अभियान चला कर लोगो को टीका लगवाने के लिए जागरूक कर रही है तो वही नगर में लगातार वैक्सीनेशन की किल्लत बनी हुई है नगर में जैसे तैसे एक वैक्सीनेशन सेंटर चालू भी हुआ अब दो चार दिन से वह भी बंद कर दिया गया है जिससे नगर के लोग वैक्सीन का पहला डोज लगवाने के लिए चक्कर काट रहे है तो वही जो लोग पहला डोज का टीका लगवा चुके हैं वह दूसरे डोज का टीका लगवाने के लिए भी परेशान हो रहे है जबकि लोगो को पहला डोज लगवाये एक माह से भी ज्यादा हो गया है परंतु वैक्सीनेशन इस परेशानी के कारण आज भी दूसरा डोज लगवाने के लिए इंतजार कर रहे है।

अभी तक नही आई 18 बर्ष एवं उससे अधिक उम्र बालो के लिए वैक्सीन–शासन द्वारा इस उम्र के सभी लोगो को ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन कराने के लिए बोल दिया गया था रजिस्ट्रेशन कराने के बाद अब नगरीय युवा अब वैक्सीन आने का इंतजार कर रहे है वैसे तो नगर में युवाओं में वैक्सीनेशन कराने के लिए एक अलग ही जागरूकता दिखाई दे रही परंतु स्थानीय स्वास्थ्य केंद्र पर 18 बर्ष एवं उससे अधिक उम्र बालो के लिये वैक्सीन न होने को कारण महामारी से भयभीत युवा अन्य दूसरी जगह जा कर वैक्सीनेशन करवा रहे है परंतु समस्या तो इस बात की है कि जिन युवाओं और व्यक्तियों के पास दूसरी जगह जाने आने की व्यवस्था नही है आखिर उनके पास कब तक और कैसे वैक्सीन पहुचेंगी।

नगर में वेक्सीनेशन सेंटर हुए बन्द

के द्वारा 18 बर्ष से 40 बर्ष के लोगो का टीकाकरण की शुरुआत तो हो चुकी है परंतु दबोह में इनके अभी तक कोई वैक्सीनेशन सेंटर अभी तक शुरू नही किया गया है जबकि शासन के

पुराने विवाद को लेकर दो पक्षों में गोलीबारी और पथराव, घटना सीसीटीवी में कैद

गौरव शर्मा

मुरैना। सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र के इस्लाम पुरा की गंदी पोखर में रहने वाले दो पड़ोसियों के बीच पुराने विवाद को लेकर झगड़ा हो गया। झगड़ा इतना बढ़ गया कि एक पक्ष के साथियों ने गोलीबारी और पथराव शुरू कर दिया जिसमें दूध लेने जा रहे राहगीर सुरेश राठौर के पैर में गोली जा लगी। इसमें युवक गम्भीर रूप से घायल हो गया। घायल युवक को उपचार के लिए जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया गया है जानकारी के अनुसार कसाई समाज की लड़की को जाफर नाम का युवक भगा कर ले गया था। तभी एक पक्ष ने इसकी शिकायत दूसरे पक्ष के लोगों से की तो एक पक्ष के समाज के लोगों ने एकत्रित होकर

ताबड़तोड़ गोलीबारी और पथराव शुरू कर दिया। इसमें रोड पर खड़ी गाड़ी के शीशे टूट गए और रास्ते में दूध लेने जा रहे युवक सुरेश राठौर के पैर में गोली जा लगी जिससे युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल युवक को तुरन्त जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया हैं जहां उसका उपचार किया जा रहा हैं।सूचना मिलते ही सिटी कोतवाली थाना प्रभारी अतुल सिंह सहित भारी संख्या में पुलिस बल मौके पर पहुँच गया। इसी बीच बीचबचाव करने गए युवक फैजान खान के सिर में पत्थर लगने से चोट आई हैं प्रत्यक्षदर्शी महिला रेशमा के अनुसार घर में घुसकर कुछ लोगों ने मारपीट की है और पथराव किया है। जिससे एक बच्ची सहित युवक के सिर गम्भीर चोट आई है। टीआई अतुल सिंह ने बताया कि दोनों पक्षों के कुछ लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है और सीसीटीवी के आधार पर युवकों की पहचान की जा रही हैं।

चम्बल नदी में नहाने गए चार युवकों में एक की मौत एक युवक की ज्यादा नाजुक हालत एक लापता एक को बचाने में मिली सफलता

उमाकान्त शर्मा भिण्ड रिपोर्टर

भिण्ड। अटेर के नव पुल निर्माण कार्य स्थल पर पिकनिक मनाने गए।नवयुबकों ने चम्बल नदी में नहाने का मन बना लिया और एक के बाद एक गर्मी से बचने के लिए चम्बल के पानी मे कूद गए ।किसी को पता नहीं था की पुल के पास आखिर गहराई कितनी होगी और वह खतरे के निशान को पार कर बहाव में पहुच गए।जब पहला यूबक राजू पिता श्रीपाल राठौर पानी के बहाव में डूबने लगा तो उसको बचाने का प्रयास और अन्य साथियों ने भी किया। जबकि वे भी डूबने लगे। पानी पर किसी का जोर नहीं चला दोनो दोस्तो ने जब पानी मे डूबते

हुए दो अन्य दोस्तो को देखा तो चिल्लाने लगे।पास में ही खड़े गांव के लोगो ने मसकत के बाद चम्बल नदी से बाहर निकाला जिसमे एक युबक नदी में ही है।तीन युबकों को बाहर निकाल लिया गया है ।जिसमे एक युबक की मौत हो गई। एक पानी के बहाव में बह गया एक की हालत गंभीर है। मृतक युबक 9 अर्जुन पिता राजबहादुर राठौर उम्र 20 वर्ष निवासी अम्बाह जिला मुरैना जबकि दुसर युबक राजू पिता पाल सिंह राठौर उम्र 22 वर्ष निवासी अम्बाह चम्बल नदी में लापता दो यूबकों को बचाने में मिली सफलता। टीम के द्वारा रेस्क्यू ऑपरेशन जारी मौका स्थल पर पहुंची पुलिस ।

375 लीटर हाथ भट्टी मदिरा एवं 990 किलोग्राम लाहन बरामद

आबकारी अधिनियम की धाराओं में 9 प्रकरण कायम

पंकज त्रिपाठी स्टेट ब्यूरो चीफ
दैनिक पुष्पांजली टुडे

भोपाल।कलेक्टर अविनाश लवानिया के निर्देश और सहायक आबकारी आयुक्त भोपाल अजय शर्मा के मार्गदर्शन में रातीबड़ में अवैध मदिरा संग्रहण,विक्रय एवं विनिर्माण के विरुद्ध गुरूवार को छापामार कार्यवाही की गई ।आबकारी कन्ट्रोलर भोपाल सजेंद्र मोरी के नेतृत्व में रातीबड़ स्थित रसूलिया पठार की जमीन में गड़े ड्रमों, कुप्पों व भट्टी से कुल 375 लीटर हाथ भट्टी मदिरा एवं 990 किलोग्राम लाहन बरामद कर,म.प्र. आबकारी अधिनियम के तहत कुल 9 प्रकरण कायम कर लाहन का सेंपल लेकर मौके पर विधिवत नष्ट किया । यह कार्यवाही सहायक जिला आबकारी अधिकारी गोपाल यादव सहित अन्य अधिकारी एवं होमगार्ड के जवानों की उपस्थिति में की गई ।

काफी मशक्कत के बाद वृद्ध महिला को बेटे का मिला सहारा

वासुदेव मिश्रा संवाददाता

ग्वालियर। गुरुवार को रात्रि में गौरवशाली सामाजिक संस्था की अध्यक्ष अधिवक्ता शिल्पा डोगरा एवं खबरों का संघर्ष के जिला संवाददाता एवं संस्था सचिव वासुदेव मिश्रा सिविल हॉस्पिटल हजीरा ग्वालियर में भोजन वितरित कर रहे थे तभी डॉक्टर जगतपाल सिंह से दूरभाष पर संपर्क होने पर जानकारी हुई कि थाटीपुर क्षेत्र अंतर्गत जीवाजी नगर में एक वृद्ध महिला अस्वस्थ हालत में आसरा ना होने की वजह से रोड किनारे रहने हेतु विवश है,आसपास जानकारी लेने पर कोई संतोषजनक जवाब नहीं मिला तो थाटीपुर थाने पहुंचकर सारी जानकारी दी गई वहां उपस्थित उपनिरीक्षक जागेश्वर कौशल ने गंभीरता से लेते हुए तत्काल ही मौके पर पहुंचकर वृद्ध महिला के पुत्र से मोबाइल पर संपर्क किया गया पुत्र के द्वारा टालमटोल किए जाने पर महिला बाल विकास अधिकारी शालीन शर्मा से संपर्क साधा गया,संस्था अध्यक्ष अधिवक्ता शिल्पा डोगरा एवं संस्था सचिव वासुदेव मिश्रा, उप निरीक्षक जागेश्वर कौशल एवं स्वर्ग सदन से विकास गोस्वामी, फैजान खान के काफी अथक प्रयासों से गोल पहाड़िया निवास पर वृद्ध महिला को उसके बेटे से मिलाकर घर पहुंचाया।

रिजर्व पुलिस लाइन में आयोजित हुआ भव्य दीक्षांत समारोह

ब्यूरो सोनू कुमार माथुर

एटा। पुलिस लाईन एटा स्थित परेड ग्राउण्ड पर 169 रिक्रूट आरक्षियों की दीक्षांत परेड का भव्य आयोजन सम्पन्न हुआ। इस परेड में मुख्य अतिथि का मान प्रणाम श्री उदय शंकर सिंह, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक एटा द्वारा प्राप्त किया गया तथा श्री ओमप्रकाश सिंह , अपर पुलिस अधीक्षक/प्रभारी राजपत्रित अधिकारी आर.टी.सी. व्दारा परेड की सलामी ली गयी। जनपद एटा के रिक्रूट प्रशिक्षण केन्द्र को 170 रिक्रूट, प्रशिक्षण हेतु आंवटित हुए जिनका 6 माह का गहन प्रशिक्षण अपर पुलिस अधीक्षक एटा के निर्देशन तथा श्री इरफान नासिर खान, क्षेत्राधिकारी लाइन के पर्यवेक्षण में दिनांक 03.11.2020 में आरम्भ हुआ। रिक्रुट आरक्षियों में अनुशासन कायम रखने, उन्हें मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने तथा पुलिस प्रशिक्षण निदेशालय उत्तर प्रदेश लखनऊ व्दारा निर्धारित पाठयक्रम का निर्धारित समयानुसार क्रियान्वयन करने के उत्तरदायित्व का निवर्हन श्री हरपाल सिंह, प्रतिसार निरीक्षक एवं श्री गया सिंह चैहान उ.नि.स.पु./प्रभारी आर0टी0सी0 एवं आर0टी0सी0 मेजर सीताराम व्दारा किया गया। प्रशिक्षण निदेशालय व्दारा निर्धारित पाठयक्रम के अन्तः विषयों का प्रशिक्षण देने आर0टी0सी0 में प्राध्यापक के रूप में 1-निरीक्षक/प्राध्यापक श्री केंद्र कुमार बालियान, 2- निरीक्षक/प्राध्यापक श्री जनवेद सिंह 3- निरीक्षक श्री रूप किशोर निगम 4- उपनिरीक्षक श्री सुरेंद्र पाल शर्मा 5- उपनिरीक्षक श्री रोहिताश सिंह व 6- आरक्षी अध्यापक राहुल कुमार बाहय विषयों के प्रशिक्षण हेतु 8 आईटीआई तथा 4 पीटीआई भी आर0टी0सी0 में नियुक्त रहे। इस समस्त स्टाफ व्दारा दिन रात अथक परिश्रम कर रिक्रुट आरक्षियों को आन्तरिक एवं बाहय विषयों का प्रशिक्षण निर्धारित समयावधि में पूर्ण कराया गया। 169 रिक्रुट आरक्षियों की अन्तिम परीक्षा दिनॉक 21.05.21 को सम्पन्न हुयी। उत्तीर्ण 169 रिक्रुट आरक्षियों की दीक्षांत परेड के प्रथम परेड कमाण्डर रिक्रूट आरक्षी 152 अक्षय मलिक द्वितीय परेड कमाण्डर रि0आ0 03 चिराग

शर्मा तथा तृतीय परेड कमाण्डर रि0आ0 46 अभिषेक पंवार रहे जिन्हें परेड की उत्कृष्ट कमाण्ड के फलस्वरूप मुख्य अतिथि व्दारा पुरस्कृत किया गया। अन्तः विषयों में प्रथम स्थान पाने वाले रिक्रूट आरक्षी- 49 मो0 जावेद, 92 अंकित कुमार, 31 अनिकेत, 159 निकेश मावी, 167 सुमित कुमार, 157 हेमंत भारद्वाज, 108 मोनू सिंह, 123 मोहित कुमार रहे। बाह्य कक्षीय विषयों में प्रथम स्थान पाने वाले रिक्रूट आरक्षी- 159 निकेश मावी, 114 अंकित, 127 गजेंद्र कुमार, 167 सुमित कुमार, 86 मनीष कुमार, 14 प्रदीप कुमार, 02 गौरव चौधरी, 14 प्रदीप कुमार, 70 नितिन कुमार, 30 ऋषभ देशवाल, 46 अभिषेक पंवार रहे। आरटीसी परीक्षाओं में सर्वश्रेष्ठ केडिट रि0आ0 30 ऋषभ देशवाल घोषित हुआ। इन सभी रिक्रूट आरक्षियों को मुख्य अतिथि द्वारा परेड के दौरान पुरस्कृत किया गया।

सर्वोत्तम प्रशिक्षक के रुप में उप निरीक्षक/प्राध्यापक, श्री रोहिताश सिंह, आई.टी.आई श्री जागेश्वर यादव तथा श्री यशवीर सिंह आरक्षी/पी.टी.आई. रहे जिन्हें भी मुख्य अतिथि द्वारा पुरुस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि द्वारा अपने अभिभाषण में रिक्रूट आरक्षियों को अपने कर्तव्य एंव उत्तरदायित्वों का निर्वहन निष्ठापूर्वक व ईमानदारी के साथ करते हुए पुलिस विभाग एंव जनता के मध्य अपनी जगह/छवि बनाने का सुझाव दिया गया। इसके अतिरिक्त पीड़ित व्यक्तियों की समस्याओं को ध्यानपूर्वक सुनकर उसका सम्यक निराकरण करने तथा अपना व्यवहार शालीनता का रखने की भी अपेक्षा की गयी। परेड के दौरान वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक एटा द्वारा दीक्षांत परेड में सम्मिलित सभी 169 रिक्रूट आरक्षियों को प्रशिक्षण निदेशालय उ0प्र0 लखनऊ द्वारा जारी शपथ के अनुसार निम्न शपथ ग्रहण करायी गयी।

मैं शपथ लेता हूँ, और सत्यनिष्ठा से प्रतिज्ञा करता हूँ कि मैं भारत के विधि द्वारा स्थापित, भारत के संविधान के प्रति, श्रद्धा और सच्ची निष्ठा रखूँगा और मैं भारत की समप्रभुता और अखण्डता, अक्षुण रखूँगा तथा अपने पद के कर्तव्यों का राजभक्ति और निष्पक्षता से पालन करुँगा।

ईश्वर मेरी सहायता करे–समारोह के अन्त में मुख्य अतिथि व्दारा अल्प समयावधि में दीक्षान्त परेड का भव्य आयोजन कराने के लिए श्री इरफान नासिर खान-क्षेत्राधिकारी प्रशिक्षण, श्री हरपाल सिंह-प्रतिसार निरीक्षक, पीटीआई नरवीर सिंह व अन्य सहायोगी स्टाफ का आभार व्यक्त करते हुए उनके व्दारा किए गए अथम परिश्रम की प्रशंसा की गयी तथा दीक्षान्त परेड में आए सभी अधिकारियों/कर्मचारियों, पत्रकार बन्धुओं, जनता के सम्भ्रान्त व्यक्तियों व रिक्रुट आरक्षियों के उपस्थित परिवारीजन का भी आभार व्यक्त किया गया।

कोरोना के बचाव के लिए मास्क व स्ट्रीम इनहेलर वितरण किया गया

मैसूरु। महाराणा प्रताप राजपूत मंडल, मैसूरु के अध्यक्ष पृथ्वी सिंह चांदावत की ओर से जरूरत मंद लोगों को व पुलिस थाना निरीक्षक को भाप उपकरण दिये गये द्य देवराजा यातायात पुलिस निरीक्षक एन.मुनियप्पा ने कोरोना के मामलो पर चिंता जाहिर करते हुए कहा कि कोरोना कर्फ्यू के बावजूद मैसूरु शहर में कोरोना के मामलों में कमी नहीं आई है द्य लोगों को कोरोना रोकथाम नियमों की गम्भीरता से पालना करने की अपील की। किराणा व सब्जी खरीदने हेतु मानदंडों की पालना करते हुए पैदल ही जाए द्य घर के आसपास स्थित दुकानो से जरूरी सामान खरीदे द्य आसपास के लोगों को भी आवश्यकतानुसार जरूरी सामान ला कर देना चाहिए।

संविदा स्वास्थ्य कर्मचारियों की हड़ताल खत्म-स्वास्थ्य मंत्री के लिखित आश्वासन के बाद काम पर लौटे, पिछले 15 दिनों से हड़ताल पर थे कर्मचारी

मुरैना। संविदा स्वास्थ्य कर्मचारी कई दिनों से हड़ताल पर थे। स्वास्थ्य मंत्री प्रभुराम चौधरी एवं एनएचएम एमडी छवि भारद्वाज के लिखित आश्वासन के बाद, आज संविदा स्वास्थ्य कर्मचारियों ने हड़ताल खत्म कर दी है। वह काम पर लौट आए हैं। इसी प्रकार शासकीय अस्पताल पोरसा में कार्यरत संविदा स्वास्थ्य कर्मचारी जो गत कई दिनों से हड़ताल पर थे। वे पिछले चार दिनों से काम बंदकर हड़ताल पर थे। वह भी वापस लौट आए हैं। स्वास्थ्य मंत्री एवं विभाग के एमडी के आश्वासन के बाद उन्होंने हड़ताल खत्म कर दी है।

90 प्रतिशत वेतन की मांग पर अड़े थे कर्मचारी-संविदा स्वास्थ्य कर्मचारी अपनी 90 प्रतिशत वेतन के भुगतान को लेकर अड़े थे। उनका कहना था कि मुख्यमंत्री द्वारा आश्वासन दिए जाने के बावजूद उनको 90 प्रतिशत वेतन नहीं मिलता है। इसके अलावा वह नियमित कर्मचारियों की तरह अन्य सुविधाएं भी चाहते हैं। पहले उन्होंने काली पट्टी बांध कर विरोध किया। उसके बाद सरकार का विरोध जारी रखते हुए अपने साथियों को श्रद्धांजलि दी। कुछ ने कटोरा लेकर भीख तक मांगी। इसके बावजूद जब उनकी मांगों पर सरकार ने विचार नहीं किया तो वे अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले गए थे। उनकी हड़ताल आज खत्म हो गया है। इस मौके पर संविदा स्वास्थ्य कर्मचारी संदीप त्यागी, उषा सिलावट, ब्रजमोहन सिंह तोमर, अनीता दीक्षित, रजनी ओझा, सुनीता भदौरिया, सुनील माहोर, सीमा सोनी, योगेंद्र भिंड़े, रश्मि जाटव, जयश्री सोलंकी, ममता तोमर, मिथिलेश तोमर ,शशी राठौर ,रानी पाराशर, आदि ने लिखित आवेदन देकर अपनी उपस्थिति दर्ज कराई एवं अपने अपने काम पर पहुंचे। इस संबंध में ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर डॉक्टर जीएस पाराशर का कहना है, कि आज हमारे कर्मचारी हड़ताल से वापस आ चुके हैं।

नारद की तरह पत्रकारों की अहम भूमिका रहती हैं: बरुआ

संवाददाता बृजपाल सिंह गुर्जर

मेहगांव मेहगांव आज नारद जी की जयंती पर पत्रकारों का किया गया सम्मान जिसमे आर एस एस के जिला सह प्रचार प्रमुख मुख्य वक्ता कुंजविहारी बरुआ ने कहा कि नारद जी की तरह पत्रकारों की भूमिका समाज मे महत्व रखती हैं पत्रकार का कोई शत्रु या कोई मित्र नही होता इसके लिये कोई दैत्य देवता नही होता केबल समाज के बीच सदैव सत्यता के लिये निर्भीकता के साथ काम करता हैं और आगे कहा कि हम नारद सरूप पत्रकारों का सम्मान करते है इस कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे रामसिया शर्मा खण्ड संचालक,ने कहा कि पत्रकार कभी सोता नही है दिन रात मेहनत करता हैं कार्यक्रम का संचालन जितेंद्र शर्मा खण्ड कार्यवा ने किया आभार प्रगट दीपक शर्मा ने किया इस मौके पर स्यामसुंदर त्यागी मुकेश राठौर ,गौरव गॉड,महेंद्र गुर्जर उपस्थित रहे पत्रकारों में प्रदीप चौधरी महेश चौधरी हरिओम शर्मा पुरुषोत्तम राजौरिया घनस्याम त्यागी दिनेश चौधरी शिवम डंडोतिया गिरजेश पचौरी सीटू गुर्जर मौजूद रहे।

निगोतिया नर्सिंग होम में बिना मास्क लगाए लोगों एवं मिष्ठान भंडार पर चालानी कार्रवाई

गोहद। कोरोना संक्रमण के चलते कलेक्टर द्वारा लॉकडाउन लगा है जिसमें कलेक्टर द्वारा इलेक्ट्रॉनिक एवं ओटो मोबाइल मिकेनिकल आदि दुकान खोलने की छूट दी गई है जिसमें कई लोगों ने अपने-अपने प्रतिष्ठान खोलकर दुकानदारी शुरू कर दी है पुलिस एवं राजस्व विभाग की टीम द्वारा बाजार में राउंड लिया गया जहां कई लोग अपने प्रतिष्ठान बंद करके भाग गए वहीं गोलंबर तिराहा पर चित्रकूट मिष्ठान भंडार पर 500 की चालानी कार्रवाई एवं निगोतिया नर्सिंग होम में बिना मास्क लगाए लोगों पर 2500/ रुपए की चालानी कार्रवाई करते हुए कुल 3000 की चालानी कार्रवाई की गई इस कार्यवाही में मुख्य रूप से पटवारी महेंद्र भदौरिया,अनुज शर्मा संदीप जैन एवं पुलिस स्टाफ मौजूद रहे।

पौन ब्रोकेर्स एवम् ज्वेलर्स एसोसिएशन पट्टाबीराम की तरफ से दो लाख एक हजार रुपये मुख्यमंत्री कोष में सुपुर्द किये

चैन्नई। मुख्यमंत्री राहत कोष मे देने के लिए तामीलनाडु पॉन ब्रोकर ऐवम ज्वेलर्स एसोसिएशन पट्टाबीराम की तरफ से 201000/ रुपए तामीलनाडु पॉन ब्रोकर ऐवम ज्वेलर्स एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष स्वामी तेजानन्द को सुपुर्द किया गया । इस कार्यक्रम मे पेरीयपालीयम के भागीरत जाट ,आवडी के प्रदेश उपाध्यक्ष आनंदप्रकाश शर्मा ,पट्टाबीराम के क्राइम और सिविल के दोनों इंस्पेक्टर राजकुमार व जॉर्ज लौरेंस और पट्टाबीराम के अध्यक्ष पारसमल परमार,उपाध्यक्ष-डूंगाराम प्रजापत, सचिव मोतीलाल शर्मा, कोषाध्यक्ष जगदीश परिहार और अन्य सभी सदस्य मौजूद थे।

पंडित श्याम बिहारी शर्मा जी की स्मृति में कोविड-19 रथ निकाला गया जिसमें मुख्य अतिथि डॉ ओ पी एस

अरुण शुक्ला पुष्पांजलि टुडे

आज पंडित श्याम बिहारी शर्मा जी की स्मृति में कैराना रथनिकाला गया जिसमें मुख्य अतिथि डॉक्टर पीएस भदोरिया जी आवास मंत्री जी ने रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया जिला चिकित्सालय अधिकारी डॉ अजीत मिश्रा डॉ अनिल गोयल जिला समन्वयक शिव प्रताप सिंह भदोरिया जी जेपी शर्मा जी बीसी रोन मेंटर्स नीरज शर्मा जी अवधेश शर्मा जी राहुल शर्मा जी स्वदेश जीबीएसडब्ल्यू छात्र व समाजसेवी उपस्थित रहे।

छोटे पत्थरों के बाद अब, बड़े पत्थरों की बारी:शनीचरा के जंगल से अवैध पत्थरों को भरकर ले जा रहे थे माफिया

वन अमले ने ट्रक को पकड़ा, दो को लिया हिरासत में

मुरैना। जिले के माफिया लगातार खनन कर रहे हैं। रेत के साथ-साथ पत्थरों का अवैध खनन किया जा रहा है। रात के अंधेरे में यह माफिया दस चक्का ट्रक में अवैध पत्थर लादकर ले जा रहे थे। खबर मिलते ही वन अमला बामौर पहुंच गया और बामौर थाना पुलिस के साथ वन अमले ने ट्रक को पकड़ लिया। सुबह 3 बजे की गई इस कार्रवाई में ट्रक के साथ दो चालक भी पकड़े गए हैं। अब खनन माफिया छोटे पत्थरों के बजाय बड़े पत्थरों का परिवहन करना शुरू कर दिया है। इन पत्थरों को फैक्ट्रियों में ले जाया जाता है, जहां इसकी कटाई होती है और उन्हें अधिक कीमत मिलती है। मुखबिर को सूचना मिली की शनीचरा के घने जंगल से अवैध पत्थर ले जाया जा रहा है। सूचना पाते ही शनीचरा वन चौकी के डिप्टी रेंजर के नेतृत्व में वन अमला बामौर पहुंच गया। वहां बामौर थाने की पुलिस को साथ लिया। जैसे ही ट्रक बामौर पहुंचा उसे रुकवाकर देखा तो उसमें दो ब्लॉक बड़े पत्थर लदे हुए थे। जब चालकों को कस्टडी में लेकर कड़ाई से पूछताछ की तो उन्होंने बताया कि वे शनीचरा के जंगल से पत्थर ला रहे हैं। पुलिस ने ट्रक क्रमांक-आरजे 05, जीए-6306 को तुरंत कब्जे में ले लिया। इसके साथ ही दोनों चालकों जिनका नाम मनोज सिंह गुर्जर व कल्ली गुर्जर हैं। उनको हिरासत में ले लिया है।

पटियां बनाने के काम आता पत्थर-खनन माफिया इस पत्थर को लादकर फैक्ट्रियों में ले जाते हैं। इन फैक्ट्रियों में इन्हें काटकर छोटी-छोटी पटियां बनाई जाती हैं। इनका भवन निर्माण में उपयोग होता है। यह पत्थर बहुत भारी होते हैं। इनको लादने के लिए क्रेन की मदद ली जाती है। आमतौर पर माफिया के पास छोटी क्रेन होती है, जिससे वह इन पत्थरों को गाड़ियों में लोड करते हैं। यह पूरी कार्रवाई एसडीओ श्रद्ध पांढ़रे के दिशा निर्देशन में की गई।

स्टाम्प पर लिखकर दें, तब लगवाएंगे वैक्सीन: डोडरी गांव में टीका लगाने गई स्वास्थ्य विभाग की टीम बैरंग लौटी

मुरैना। पहले हमें स्टॉम्प पर लिखकर देओ कि अगर वैक्सीन लगेगी तो फायदा करेगी, नहीं तो हम वैक्सीन नहीं लगवांगे। यह बात आज पोरसा कस्बे के निकट गांव डोडरी के ग्रामीणों ने स्वास्थय विभाग की टीम से कही। जब स्वास्थ्य विभाग की टीम ने असमर्थता जताई तो उन्हें बैरंग वापस कर दिया। गांवों में लोग अभी भी कोरोना की वैक्सीन पर भरोसा नहीं कर रहे हैं। लोगों को इस बात का विश्वास नहीं है कि वैक्सीन लगने के बाद वे ठीक हो जाएंगे। पिछले दिन जीगनी गांव में मरीज को क्वारैंटाइन करने गई स्वास्थ्य विभाग की टीम पर हमला कर दिया था। आज, डोडरी गांव में गई स्वास्थ्य विभाग की टीम को ग्रामीणों ने यह कहते हुए वापस कर दिया कि वे स्टांप पर लिखकर दें कि वैक्सीन लगने के बाद कोरोना नहीं होगा।

कई लोगों का नहीं उतरा बुखार-गांव में गई स्वास्थ्य विभाग की टीम को गांव वालों ने बताया कि उनके गांव में जिन लोगों को वैक्सीन लगी है। उनका बुखार अभी तक नहीं उतरा है। इसी वजह से गांव वाले वैक्सीनेशन पर शक कर रहे हैं। गांव वालों ने टीम से कहा कि हम लोग परेशान हो जाते हैं, इसलिए टीका नहीं लगवा रहे हैं। आप लोग यहां से वापस जाएं।

भ्रांतियां फैला रहे लोग-कोरोना को लेकर ज्यादातर लोग घर पर ही इलाज कर रहे हैं। कोई काढ़ा पी रहा है, तो कोई अन्य देशी इलाज कर रहा है। इलाज भी ऐसा कि वह कोरोना से संबंधित न होकर वायरल बुखार का है। कई लोग तो यह मानने को तैयार ही नहीं है कि कोरोना नाम की कोई चीज है। वह उसे आज भी वायरल या मौसमी बुखार मान रहे हैं।

घर खाली कराने को लेकर युवक पर पहले गोली चलाई, फिर फरसे से सिर पर किया वार, युवक की हालत गंभीर

मुरैना। जिले के बुधारा गांव में गुरुवार को एक युवक पर 12 से ज्यादा लोगों ने जानलेवा हमला कर दिया। युवक गांव के पास बनी तिवरिया (कुएं पर बना घर) पर रहता है। हमले के पीछे जमीन का पुराना विवाद बताया जा रहा है। इसी के साथ हमलावर उसके घर से एक सोने की चेन और दो लाख रुपए भी ले गए। युवक जीतू उर्फ जितेन्द्र तोमर (23), पर बोलेरो आए दर्जनभर से ज्यादा लोगों ने हमला कर दिया। हमलावरों ने पहले उस पर गोली चलाई। जब गोली उसके बगल से निकल गई तो लाठियों से मारा और फरसे से उसके सिर पर वार किया। जिससे उसके सिर में गंभीर चोट आई है। हमले में उसके दोनों हाथों फेक्चर हो गए। हमलावरों ने पहले हवाई फायर कर दहशत फैलाई फिर मारपीट कर लहूलुहान कर दिया।

खेत को लेकर था विवाद-बताया जा रहा है कि खेत को

लेकर पुराना विवाद चला रहा है। मारपीट करने वाले पक्ष ने जितेन्द्र के परिजनों को रहने के लिए यह तिवरिया अस्थाई रूप से दी थी। करीब दर्जन भर लोग इस तिवरिया को खाली कराने के लिए आए। वे गाली गलौज करने लगे। जितेंद्र उस समय अपनी बहनों के साथ घर पर अकेला था। उसने कहा पापा को आ जाने दो, हम 1 तारीख के बाद खाली कर देंगे। लेकिन वह लोग नहीं माने और हवाई फायर कर दिए। जिससे वह जमीन पर गिर गया और लाठी और फरसों से उस पर हमला कर दिया।

दो लाख रुपए और सोने की चेन ले गए-जितेन्द्र की बहनों का कहना है कि घर में रखे दो लाख रुपए और एक सोने की चेन भी आरोपी मारपीट के बाद ले गए। यह सामान बहन की शादी के लिए रखा था। जितेंद्र को गम्भीर हालत में जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने भी आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर तलाश शुरू कर दी है।

28 अप्रैल को शादी, 28 मई को मौत

भिंड। शुक्रवार दोपहर चंबल नदी में डूबने से एक युवक की मौत हो गई, जबकि एक लापता है। चार युवक लोग नदी में नहाने गए थे। इनमें से दो लोगों को वहां मौजूद चरवाहों ने बचा लिया। सभी युवक आपस में रिश्तेदार हैं। सूचना पर अटेर पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस के मुताबिक अंबाह निवासी अर्जुन (25) पुत्र राजबहादुर राठौर की शादी पिछले महीने 28 अप्रैल को हुई थी। शादी के दौरान हिम्मतपुर निवासी शोभाराम राठौर द्वारा भांजे की शादी में भात दिया गया था। शादी के बाद मामा के घर अर्जुन भात फल की रस्म को पूरा करने आया था। दोपहर मौसेरे भाई राजू पुत्र श्रीपाल राठौर निवासी अंबाह और ब्रज किशोर पुत्र मुकेश राठौर निवासी चिचौल पोरसा भी उसके साथ थे। हिम्मतपुर आकर मामा शोभाराम के पुत्र रामनिवास के साथ मिलकर सभी

युवक चंबल नदी में नहाने चले गए। दोपहर करीब डेढ़ बजे वे अटेर घाट से कुछ दूर चंबल नदी में उतरे। इस दौरान वह गहरे पानी में चले गए। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक सबसे पहले राजू नदी में डूबा। राजू को बचाने के लिए अर्जुन आगे बढ़ा, तो वो भी डूब गया।

इसके बाद राम निवास और ब्रज किशोर भी दोनों को बचाने के लिए कूद गए। वह भी नदी में डूबने लगे। नदी के किनारे भैंसों को चराने आए चरवाहों ने जब युवकों को डूबता देखा, तो वे नदी में कूद गए। चरवाहों ने दो युवकों को बचा लिया। इसके बाद राम निवास के पिता शोभाराम को सूचना दी गई। अटेर पुलिस को सूचित किया गया। अटेर थाना प्रभारी अतुल सिंह भदौरिया के मुताबिक अर्जुन के शव मिल गया है। राजू को गोताखोरों की मदद से तलाशा जा रहा है।

28 अप्रैल को अर्जुन की हुई थी शादी, 28 मई को हुई मौत-एक साथ दो युवकों की मौत की खबर से हिम्मतपुर में शोक की लहर दौड़ गई। शोभाराम के दो भांजे एक साथ नदी में डूब गए। अर्जुन की एक महीने पहले ही 28 अप्रैल की शादी हुई थी।

प्रेमी दूल्हा बना तो शादीशुदा प्रेमिका हो गई खफा, पुलिस थाने पहुंचकर कराई एफआईआर

भिंड। भिंड के कोतवाली पुलिस ने एक युवक को शादी के चार दिन बाद रेप मामला दर्ज किया है। युवक की शादी बीते 24 मई को हुई थी। शादी वाले दिन जैसे ही युवक दूल्हा बना और घोड़ी चढ़कर दांपत्व जीवन की शुरुआत करने जा रहा था। इधर उसकी प्रेमिका कोतवाली थाने पहुंची और पुलिस पर शादी रुकवाने का दबाव बनाने लगी। जब पुलिस ने महिला की बात नहीं सुनी तो उसने प्रेमी युवक पर बलात्कार करने सहित अन्य आरोप लगाने लगी। पुलिस ने इस मामले को पहले जांच में लिया, फिर युवक के खिलाफ रेप केस सहित अन्य धाराओं में स्ढ्ढक्रदर्ज कर ली। भिंड शहर के आर्य नगर में रहने वाली 27 साल की विवाहिता बीते 24 मई को कोतवाली थाने पहुंची। महिला ने पुलिस से शिकायत करते हुए बताया कि पावई थाना क्षेत्र के छनैनी गांव का निवासी उदय सिंह मेरे साथ पिछले चार साल से रह रहा है। वो मुझे से प्रेम करने की बात कहकर रेप करता रहा। आज वो शादी करने जा रहा है। उदय की शादी को रुकवाई जाए। पुलिस ने जब पूरे मामले में

महिला से पूछताछ की तो उसने बताया कि उसका पति अहमदाबाद में एक रेस्टोरेंट चलता है। इधर मेरे देवर का दोस्त उदय सिंह ने मुझे बहला फुसलाकर दोस्ती की और कहा था कि आपका साथ कभी नहीं छोड़ेंगे। उदय की बातों में आकर मैं लिव इन रिलेशन में रहने लगी थी। पिछले चार साल से मैं अपने पति से दूर होकर प्रेमी उदय के साथ हर करवा चौथ मनाती थी। उदय का चेहरा देखकर व्रत तोड़ती थी। जब उदय की की सगाई पक्की हुई तो उसने कहा था कि मैं शादी नहीं करूंगा, तुम्हारे साथ ही रहूंगा। अब वो धोखा देकर शादी कर रहा है। पुलिस ने महिला की बात को सुनते हुए शिकायती आवेदन ले लिया था। इसके बाद पुलिस ने पूरे मामले की पड़ताल शुरू कर दी थी। इस दौरान महिला कई बार थाने पहुंची और उदय पर रेप करने, जाने से मारने की धमकी देने और धोखे से रुपए व सोने की चेन ले जाने का भी आरोप लगाए। पुलिस ने महिला की शिकायत पर आरोपी युवक के खिलाफ शादी के चार दिन बाद रेप सहित अन्य धाराओं में मामला दर्ज कर लिया।

पुलिस की सूझबूझ से हादसा टला

भिंड। भिंड देहात थाना क्षेत्र स्थित हाजी नगर में एक दो मंजिला मकान की किचन के अंदर खाना बनाते समय रेगुलेटर लीकेज हो गया। इसके बाद तत्काल सिलेंडर ने आग पकड़ी। सिलेंडर में लगी आग की सूचना परिजनों ने पुलिस को दी। देहात थाना में तैनात आरक्षक सुभाष सिंह तोमर और दीपक सिंह जादौन इस समय गश्त पर निकले थे। यह सूचना आने पर दोनों जवान मौके पर पहुंच गए। करीब 15 मिनट की मशक्कत के बाद दोनों आरक्षकों ने आग पर काबू पाया। आरक्षकों की सूझबूझ से सिलेंडर की आग से होने वाला हादसा टला।यह मामला गुरुवार रात करीब दस बजे का है। देहात थाना क्षेत्र के हाजी नगर में रहने वाले शाकिर खान के घर में दूसरी मंजिल पर किचन में खाना तैयार हो रहा था। तभी किचन का सिलेंडर के रेगुलेटर लीकेज हो गया और उसने आग पकड़ ली। यह दृश्य देखकर परिजन घबरा गए। यह आग से किचन में रखे सामान को भी अपनी चपेट में ले लिया। परिजनों ने तत्काल पुलिस कंट्रोल रूम में फोन किया। पुलिस कंट्रोल रूम से यह प्वाइंट देहात थाना पुलिस को मिला। इसी समय गश्त पर निकले जवान सुभाष सिंह तोमर और दीपक सिंह जादौन को सूचना दी गई। इसके बाद दोनों जवान मौके पर पहुंचे।

सम्पादकीय

हार तय थी, तभी मिला शरद पवार को टिकट

बात सन 1966-67 की है। तब शरद पवार कोई 26 साल के रहे होंगे, महाराष्ट्र युवा कांग्रेस के अध्यक्ष। उस वक्त राज्य में विधानसभा चुनाव भी होने वाले थे। पवार को भी विधानसभा पहुंचने की ख्वाहिश थी, लेकिन महाराष्ट्र की पॉलिटिक्स में कई दिग्गज नेताओं के बीच इतनी कम उम्र में उन्हें टिकट पाने की कोई उम्मीद भी नहीं दिखती थी। इसलिए उन्हें खामोशी अख्तियार करने ही बेहतरी दिखी। किस्मत का खेल कहिए कि एक रोज उस समय के प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष विनायक राव पाटिल ने उनसे पूछ लिया- शरद तुम बारामती सीट से टिकट के लिए आवेदन क्यों नहीं करते? जब प्रदेश अध्यक्ष ऐसा सवाल कर रहा हो तो शरद पवार के पास आवेदन न करने की कोई वजह नहीं रह गई थी। लेकिन जैसे ही उन्होंने आवेदन किया, पार्टी के अंदर का विरोध सतह पर आ गया। कहा जाने लगा कि 'अभी तो सिर्फ 26 साल के हैं, इन्हें टिकट क्यों, पार्टी के पास उस सीट के लिए पहले से ही कई सीनियर लीडर मौजूद हैं और उन्हें प्राथमिकता दी जानी चाहिए। इन्हें टिकट देने का मतलब सीट हार जाना ही हुआ।' प्रत्याशियों के नाम तय करने के लिए स्टेट पार्लियामेंट्री बोर्ड की जो बैठक हुई, उसमें भी कहा गया कि शरद पवार यह सीट नहीं जीत पाएंगे। बैठक में जब लगभग यह तय हो गया कि शरद पवार का आवेदन निरस्त किया जा रहा है तो वाईबी चव्हाण ने एक सवाल पूछ लिया- हम लोग महाराष्ट्र से कितनी सीट जीतने की उम्मीद कर रहे हैं? सबने कहा कि 200 के आस-पास। चव्हाण ने कहा कि इसका मतलब हम लोग 70 सीटें हार रहे हैं (कुल 270 सीटें थीं)। जवाब आया- मोटे तौर पर यह अनुमान सही है। इतना सुनने के बाद चव्हाण ने कहा कि चलो, जहां 70 सीटें हार रहे हैं, वहां अगर 71 हार जाएंगे तो क्या फर्क पड़ जाएगा? शरद को टिकट दो, हारेगा ही तो। फिर क्या था, शरद पवार का टिकट 'ओके' हो गया। जिस सीट पर उनकी हार की उम्मीद जताई जा रही थी, वहां वह बहुत बड़े अंतर से चुनाव जीत गए। उन्हें 63 प्रतिशत वोट मिला था और उनके निकटतम प्रतिद्वंद्वी को महज 32 प्रतिशत। वह चुनाव एक तरह से शरद पवार के लिए महाराष्ट्र की राजनीति में टर्निंग पॉइंट साबित हुआ। उसके बाद उन्होंने पलट कर नहीं देखा।

जीव-नी।।

आज की कविता या कविता का आजसं .
शब्द भी सीधे सपाट बढ़ते जाते हैं
रुकते नहीं,
नदिया भी निर्झरिणी की तरह बलखाती, लहराती,
खिलखिलाती बहती है,
रुकती नहीं निर्बाध,बहती जाती है
समंदर में समूचा विलीन होने तक,
इसी तरह कविता भी पल्लवित पुष्पित होती जाती है, खंडकाव्य होने तक,
पल प्रति पल की कविता. या कविता का प्रति पल
भी इसी तरह होते हैं
मेरे घर की सीढ़ीयाँ भी
ऊपर की जाती है
नीचे क्यों कर नहीं आती,
शब्द भी इसी तरह अंतरिक्ष में चले जाते लौटकर नहीं आते
जाते हैं,
कविता,दोहा,चौपाई,और छंद बनकर,
कविता का आज,
आज की कविता भी
इसी तरह की होती है,
ऊपर जाती है सीढ़ियां संदेश बनकर फिर लौटकर कोई नहीं आती
कोई न कविता न सीढ़ियां,
बस चलती जाती है
बहती जाती है
मेरे विचारों की तरह।
संजीवनी बन कर।

संजीव ठाकुर, अंतरराष्ट्रीय कवि,
रायपुर छत्तीसगढ़,

क्रूरकाल में सियासत और समाज

भारत का संविधान हर भारतीय को जीने, खाने और पनपने का हक देता है। इसी संविधान की शपथ लेकर हमारे नेता सत्ता-सदनों में दाखिल होते हैं, पर आज संविधान की यह गारंटी खतरे में पड़ गई है। कोरोना की चपेट में आकर हर रोज हजारों लोग दम तोड़ रहे हैं और सरकारी तंत्र उनकी रक्षा में नाकाम साबित हो रहा है। हांफती राजसत्ताओं के इस विवश वक्त में हमारे बीच से कुछ जियाले उठ खड़े हुए हैं। अपने जान-माल को दांव पर लगा वे कोरोना के कहर को चुनौती दे रहे हैं। कहीं यह नायकों का समूह है, तो कहीं कुछ लोग अकेले ही चल पड़े हैं। सबसे पहले आपको कानपुर के अजाने से गांव में ले चलता हूं। करीब पांच हजार की आबादी वाले रामनगर में कोरोना फैला। पांच कोरोना संक्रमितों समेत 16 की मौत हो गई और 50 से ज्यादा लोग संक्रमित हो गए। सरकारी इमदाद जब महानगरों के लिए ही आधी-अधूरी साबित हो रही हो, तब भला इस गांव की जरूरतें कैसे पूरी होतीं, पर रामनगर वालों ने हार नहीं मानी। चंदा करके 'कोरोना रिलीफ बैंक'बनाया। सभी चिकित्सकीय संसाधन- आइसोलेशन के इंतजाम के साथ ऑक्सीमीटर, थर्मामीटर, दवाएं आदि जुटाईं। यही नहीं, समूचे गांव को लगातार 'सैनेटाइज'कराया गया और क्वारंटीन सेंटर की स्थापना भी कर डाली। यहां के लोग महामारी से ऐसे जूझे कि रामनगर अब पूरी तरह से कोरोना-मुक्त होने के बाद एक नजीर बन गया है।

हापुड़ के 11 गांवों के लोग तो उनसे भी ज्यादा सतर्क और समझदार साबित हुए। दूसरी लहर के जोर पकड़ते ही उन्होंने खुद को लॉकडाउन की पाबंदियों का पाबंद कर लिया। इन गांवों से हफ्तों न कोई बाहर गया, न कोई अंदर आया है। नतीजा? अब तक हर ओर मौत बरपाने वाली महामारी इन गांवों की सीमाओं के पास से दबे पांव गुजर जाती है। अगर समूचे देश के ग्रामीण क्षेत्रों में इस तरह के प्रयोग किए जाएं, तो यकीनन बहुत बचाव हो सकता है, पर यह हो कैसे? सियासी गुणा-भाग में लगे लोगों से गांधी या विनोबा होने की उम्मीद तो की नहीं जा सकती। वे जो करें न करें, पर आपसी सहयोग के शानदार प्रयोग की एक और दास्तां सुनिए। बरेली के शिक्षक हरेंद्र गंगवार की कोरोना से मृत्यु हो गई। दुर्भाग्यवश वह राजकीय पेंशन योजना के हकदार नहीं थे, फिर भी उनके खाते में इस गाढ़े वक्त में 19 लाख रुपये जमा हो गए। कैसे? 'सेल्फ केयर टीम' की वजह से यह मदद हो सकी। इस टीम का गठन खुद उन अध्यापकों ने किया है, जो सरकारी पेंशन के प्रयोक्ता नहीं बन सकते। राज्य भर में किसी सहयोगी की अकाल मृत्यु हो जाने पर इस टीम के सदस्य अपनी जेब से सौ-सौ रुपये का अंशदान करते हैं। इस समूह में 45 हजार से अधिक सदस्य हैं। क्या आपको नहीं लगता कि सरकारों द्वारा ऐसे समूहों को बढ़ावा देने का हरसंभव प्रयास किया जाना चाहिए?

इन बड़े समूहों से परे रुड़की के दो दोस्तों आशु और आकाश की कथा कारुणिक होने के बावजूद जिजीविषा की नई कहानी गढ़ती है। ये इतने भाग्यशाली नहीं कि किसी सामाजिक संस्था या सरकारी इमदाद के पात्र बन सकें। कोरोना ने पहले से कमजोर उनके परिवारों की माली हालत पूरी तरह से खस्ता कर दी है। आकाश बीसीए का छात्र है और उसे पढ़ाई जारी रखने के लिए फीस अदा करनी है, पर यह हो कैसे? ऐसे में, उसने अपने मित्र आशु के साथ ई-रिक्शा पर सब्जी बेचनी शुरू कर दी है। इससे परिवार की फौरी तौर पर मदद हो रही है और फीस जमा करने की उम्मीद भी बंधी हुई है। आशु की पढ़ाई तो मुफलिसी के चलते पहले ही छूट गई थी, पर उसे आशा है कि उसका दोस्त आकाश साइबर सुरक्षा विशेषज्ञ बनने का सपना पूरा कर लेगा। ऐसे हजारों नौजवान हैं, जिन्होंने विपदा का शिकार बनने के बावजूद घुटने नहीं टेके और खैरातों की दमघोंटू प्रतीक्षा में समय नहीं गंवाया। जो था, जितना था, उसी के सहारे आगे बढ़ चले। ऐसी तमाम स्त्रियां हैं, जिन्होंने अपने पास-पड़ोस के अनाथ नवजातों को स्तनपान कराने की जिम्मेदारी तक उठा ली।

प्रकृति से छेड़ छाड़

अंधकार में धँसे निरन्तर तज कर सुखद उजाला।
जानबूझ कर पैर कुल्हाड़ी खुद मारी है हमने।
छेड़ छाड़ की खूब प्रकृति से देखे सुन्दर सपने।
पेड़ काट कर धरा प्रकृति को है विकृत कर डाला ।
अंधकार में धँसे निरन्तर तज कर सुखद उजाला ।।
सुख साधन के चक्कर में पड़ कृतिम रूप अपनाया ।
प्रकृति सम्पदा को हमने ही दूषित कर ठुकराया ।
अमृत घट का किया अनादर भाया विष का प्याला ।
अंधकार में धँसे निरन्तर तज कर सुखद उजाला ।।
पेड़ काट सौन्दर्य धरा का बिल्कुल किया सफाया ।
जल की की बर्बादी हमने जम कर खूब बहाया ।
सूखा और अकाल, पड़ेगा भूख प्यास से पाला ।
अंधकार में धँसे निरन्तर, तज कर सुखद उजाला ।।
साँस-साँस को तड़प रहे हैं ऑक्सीजन को तरसे ।
हरे भरे तरु स्वंय हमीं ने तब तो काटे जड़ से ।
जीवन खतरे में स्थिति को यदि अब नहीं सम्हाला ।
अंधकार में धँसे निरन्तर तज कर सुखद उजाला ।।

श्याम सुन्दर श्रीवास्तव कोमल
व्याख्याता-हिन्दी
अशोक उ.मा. विद्यालय, लहार

एक मुलाक़ात

तुझसे मिलना चाहा ये कोई खता था क्या,
दिनभर नाराज़ थी मुझसे, कोई अदा था क्या।
ये तेरी बदमिज़ाज रहना, यूं तड़पाना,
इन पहली मुलाकातों का प्रथा था क्या।
उस दिन जब मिले, कुछ दुखी दुखी सी थी,
बोल दे ना मुझे, कोई व्यथा था क्या।
तेरी हाथों को कंगन खनकती रही,
सुनके जागा था रातभर, उपकथा था क्या।
आज तू बता भी दे कलकत्तावाले से,
क्या उससे ज़्यादा कोई तुझे चाहता था क्या।
वो तेरी मुस्कुराहट के पीछे भागना याद है,
यहां तो तेरी अदा की बात कह रहे थे।
तेरे घर के दरवाज़े सारे बांध ही मिले आज तक,
हम तो बस मिलने की कोशिश में रह रहे थे।
तेरी गली तेरा पता ढूंढने निकला था,
तो हमसे हमारी नाम पूछे जा रहे थे।
क्या मालूम, नाम से किसे क्या मतलब था,
हम तो बस दर दर ठोकर खा रहे थे।
मंसूब मिलने की टूट गया तेरे शहर में,
ये दिल था, लूट गया तेरे शहर में।
तहज़ीब-ओ-सक़ाफ़त कहती रही तुझसे दूर जाऊं,
दिल-ओ-जां कहती रही तुझपे मिट जाऊं।
कहते है लोग मैं शायर नहीं हूं,
उन्हें क्या खबर मैं लहर नहीं हूं ।
मैं तो फिर रहा था दरबदर अडसो से,
क्या उन्हे खबर के मैं पहर नहीं हु।

नोएल लोरेंज़

कोरोना महामारी के दौर में एस्मा एक्ट, जनप्रतिनिधियों के पीएचसी गोद लेने जैसे कारगर उपाय पर विचार करना जरूरीः एड किशन भावनानी

गोंदिया। भारत में वर्तमान कोरोना महामारी से उपजी स्थिति को काबू में लाने के लिए हर राज्य ने तेजी से रणनीतिक रोडमैप तैयार कर उसका क्रियान्वयन करना शुरू कर दिया है। जिसका रिजल्ट हमें कुछ दिनों से दिखाई दे रहा है। कोरोना महामारी से तीव्र पीड़ित राज्यों में तेजी से महामारी से पीड़ित संक्रमितों का ग्राफ गिर रहा है और संक्रमितों का आंकड़ा पूरे देश स्तर पर भी कुछ दिनों से करीब करीब आधे के लगभग आना शुरू हो चुका है। जो हमारी रणनीतिक रोडमैप बनाने और उसका क्रियान्वयन करने के अच्छे संकेत मिल रहे हैं। इस बीच अन्य समस्याओं जैसे टाऊते तूफान और यास तूफान से निपटने के लिए माननीय प्रधानमंत्री महोदय दिनांक 28 मई 2021 को पश्चिम बंगाल और ओडिशा राज्यों का दौरा कर बैठक कर समीक्षा की तथा वर्तमान में जो तीसरी लहर की चर्चा चल रही है उसका संज्ञान लेकर अनेक राज्य अपनी अपनी रणनीतियां बना रहे हैं जिसमें मेडिकल इक्विपमेंट्स, मानव संसाधन, अस्पतालों की उपलब्धता, तीसरी लहर से लड़ने के उपाय, इत्यादि में गंभीरता से भिड़ गए हैं। उधर केंद्रीय गृह मंत्रालय ने भी अपने कोरोना प्रतिबंधों को 30 जून तक बढ़ा दिया है जिसके निर्देश 27 मई 2021 को जारी कर दिए गए। उधर 27 मई 2021 को ही सूचना और प्रसारण मंत्रालय ने पत्रकार कल्याण योजना के तहत कोविड-19 से जान गंवाने वाले पत्रकारों के परिवारों को सहायता प्रदान करने के लिए एक विशेष अभियान शुरू किया है। इसके तहत पत्रकारों के कुल 67 परिवारों को 5-5 लाख रुपये की आर्थिक मदद केंद्र सरकार ने मंजूर की है.....। बात अगर हम यूपी राज्य की करें तो मुख्यमंत्री महोदय ने दिनांक 27 मई 2021 को राज्य में एसेंशियल सर्विसेज मैनेजमेंट एक्ट 1968 (एस्मा) 6 माह के लिए लागू करने की घोषणा की गई है।तथा प्रदेश के सभी जिलों में 100 बेड का पोस्ट कोविड वार्ड शुरू करने का निर्देश दिया गया है तथा जनप्रतिनिधियों से कहा कि वे एक-एक सीएचसी/पीएचसी गोद लें और वहां नियमित रूप से विजिट करें।एवं समीक्षा बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के सभी जिलो में 1 जून से 18 से 44 वर्ष आयु के लोगों को कोविड-19 का टीका लगाया जाएगा जो 12 वर्ष से कम आयुके बच्चों के अभिभावकों न्यायिक अधिकारियों, सरकारी कर्मचारियों तथा मीडिया के प्रतिनिधियों को टीका लगाने के लिए अलग से काउंटर खोले जायेंगे। ....

बात अगर हम एस्मा की करें तो यह एक आवश्यक सेवा अनुरक्षण कानून 1968 (एस?मा) हड़ताल को रोकने के लिये लगाया जाता है। विदित हो कि एस्मा लागू करने से पहले इससे प्रभावित होने वाले कर्मचारियों को किसी समाचार पत्र या अन्य दूसरे माध्यमसे सूचित किया जाता है। एस्मा अधिकतम छह महीने के लिये लगाया जा सकता है और इसके लागू होने के बाद अगर कोई कर्मचारी हड़ताल पर जाता है तो वह अवैध और दण्डनीय है। वैसे तो एस्मा एक केंद्रीय कानून है जिसे 1968 में लागू किया गया था इसमें कुल 9 धाराएं हैं और हर राज्य केंद्रीय कानून को लागू कर सकता है, लेकिन राज्य सरकारें इस कानून को लागू करने के लिये स्वतंत्र हैं। उल्लेखनीय है कि थोड़े बहुत परिवर्तन कर कई राज्य सरकारों ने स्वयं का एस्मा कानून भी बना लिया है औरअत्यावश्यक सेवाओं की सूची भी अपने अनुसार बनाई है। जैसे राजस्थान एस्मा एक्ट 1970 आंध्र प्रदेश एस्मा एक्ट 1971 केरल एस्मा एक्ट 1993 और कर्नाटक एस्मा एक्ट 1994.....बात अगर हम वर्तमान परिस्थितियों और तीसरी लहर के अंदेशे की करें तो उसे देखते हुए पीड़ित राज्यों नेभी एस्मा लगाने पर विचार किया जाना चाहिए....बात अगर आम जनप्रतिनिधियों के पीएचसी/सीएचसी गोद लेने की करें तो यह भी यूपी मॉडल बहुत अच्छा है। हर पीड़ित राज्य में ऐसे अनेक जनप्रतिनिधि हैं उन पर इस प्रकार की जवाबदारी देने से जनजागृति उत्पन्न होगी और जनप्रतिनिधियों पर दबाव बढ़ेगा और जनता को भी पता चलेगा कि किस जनप्रतिनिधि में कितनी काबिलियत है।अतः उपरोक्त पूरे विवरण का अगर हम विश्लेषण करें तो हमें महसूस होगा कि वर्तमान उपरोक्त यूपी मॉडल को सभी पीड़ित राज्यों ने अपनी रणनीतिक रोडमैप में शामिल करने पर विचार किया जाना उचित रहेगा।

-कर विशेषज्ञ एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र

माहवारी को सहज बनाओ

अगर तेरह चौदह साल की बच्ची को माहवारी शुरू होने से पहले ही सारी समझ दी जाएं तो अचानक से बच्ची के पिरीयड शुरू हो जाने पर घबराएंगी नहीं। माहवारी क्यूँ होती है, कैसे होती है क्या-क्या एहतियात बरतना चाहिए सारी समझ बेटी को देनी चाहिए। माहवारी कहते है जिसे हम ये अभिशाप नहीं वरदान है। निषेध नहीं, वर्जित नही इंसान के पैदा होने की प्रक्रिया का सबसे बड़ा प्रमाण है। जो दिया है उपर वाले ने हर सिर्फ़ स्त्री को-ये अनमोल सा उपहार है। आज भी कई घरों में माहवारी के समय छूत-अछूत जैसा व्यवहार होता है। माहवारी के समय मंदिर जाने से मत रोको बेटीयों को बेटियाँ खुद उमा, दुर्गा के रुप है। जिस रक्त से लथबथ नहाये हो माँ की कोख में खेले हो ये वही रक्त है। डरो नहीं, दूसरा कोई द्वार नहीं जहाँ से ये बहता है। वहीं से हर इंसान जन्मे है।प्राकृतिक वैज्ञानिक क्रिया को धर्म-अधर्म से तोलना न्याय नहीं। कभी अचानक माहवारी शुरू होने पर दाग बच्ची के फ्राक पर लगे हुए दिखें तो मन ही मन कोई हंसों नहीं। ये स्कूल कालेज या किसी जगह पर अचानक होनेवाला हादसा है। उपहास या उलाहनों से उन पर ताने वाने कसकर बेटी को शर्मिंदा मत करो। देखा है इस वजह से हमने पढ़ाई बेटी को छोड़ते हुए, कहीं आने जाने पर डरते हुए। कितनी सरल प्रक्रिया को हमने उलझते उलझन में ढ़ाल दिया है।

इस दर्द को झेलना सहज नहीं होता। बदन बच्ची का टूटता है, पेढु और जाँघ पर करवत चलते बेटी का मन पाँच दिनों तक मचलता है। शर्म और संकोच से सकुचाती हर लड़की को मुखर करने का वक्त आ गया है। तीन दिन बेटी को और स्त्री को हो सके तो आराम दो। ये पाप नहीं पवित्र क्रिया है समाज की अवहेलना का और वेदना का जलता ज़लज़ला है। संवेदना दिखाओ कुछ दिन आराम से कट जाने दो, घुमने दो सारे घर में बेटी मुक्त गगन की चिड़ीया है। कपड़े हुए पुराने जला दो। सेनेटरी नैपकिन का ज़माना है। थोड़ी सी बचत करके बेटी को इसका उपहार दो, इन दिनों गुप्तांग की स्वच्छता बहुत जरूरी है कपड़े से संक्रमित हो सकता है। माहवारी की इस क्रिया को सरल सहज बन जाने दो माहवारी में छूने से न आचार गंदा होगा ना भगवान ही रुठेगा। तो इन कष्टदायक पलों को थोड़े हल्के करने में हर बेटी की सहाय करो। ईश के इस उपहार को सहज क्रिया समझ कर हर घर की बेटी को सही तरिका समझा कर ज्ञात करो और ज्ञान दो।

(भावना ठाकर, बेंगुलूरु)सभावु

प्राकृतिक आपदाओं को रोका जाना कैसे संभव?

अरब सागर से उठे तोक्ते तूफान के बाद बंगाल की खाड़ी में आए यास नामक चक्रवात ने देश को बड़ी आर्थिक क्षति पहुंचाई है, जिसकी भरपाई कर पाने में शायद कई वर्ष लग जाएंगे। यह जग जाहिर है कि बंगाल की खाड़ी में चक्रवातों का आना कोई नई बात नहीं है, क्योंकि इससे पहले 1970 में आए भोला तूफान को आज बुजुर्ग याद करते हैं। भोला चक्रवात के चलते 5 लाख से भी अधिक लोगों को अपनी जान से हाथ धोना पड़ा था। वहीं, 1991 में आए गोर्की चक्रवात का कहर भी लोगों के मन और मस्तिष्क में बसा है। जिसके चलते लगभग डेढ़ लाख लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ी थी। ऐसे और भी बहुत सारे चक्रवातों के उदाहरण मिल जाएंगे, जिन्होंने अपना कहर बरपाकर कई लोगों को काल के गाल में समा जाने को मजबूर कर दिया। देश में हर साल एक नई प्राकृतिक या अन्य तरह की विपदा किसी-न-किसी रूप में मुँह बाए खड़ी मिलती हैं 7 यह विपदा बाढ़, भूस्खलन, भूकम्प, चक्रवात या फिर सुनामी के रूप में आन दस्तक देती है। पिछले कुछ वर्षों के दौरान इन आपदाओं के द्वारा दिए जख्म हम आज तक भूले नहीं हैं। चाहे यह जख्म अगस्त 2015 मणिकरण में हुए भूस्खलन का हो, 2013 में उत्तराखंड में आई त्रासदी का, पिछले वर्ष आए अम्फान का या फिर पूर्वी तट पर टकराते चक्रवातों का जो हुदहुद और फैलिन नाम से दहशत मचा कर चले गए। इन आपदाओं के चलते देश को भारी जान-माल की क्षति भी हुई। जबकि अब समूची आधुनिक मनोवैज्ञानिक सभ्यता पर कोराना अपना कहर जमकर बरपा रहा है। यह समूचे विश्व के लिए बहुत बड़ा नासूर बन चुका है। वहीं, भारत में रही-सही कसर बंगाल की खाड़ी में आए यास चक्रवात और अरब सागर से उठे तोक्ते तूफान ने पूरी कर दी। ऐसे में यह सवाल मौजूं है कि आखिर ऐसी विपदाओं के आने की पीछे की वजह क्या है? आखिर क्यों उठते हैं यास और तौक्ते जैसे खतरनाक तूफान? जैसा कि वैज्ञानिक अध्ययनों से पता चला हैं कि तूफानों के उठने के पीछे का मुख्य कारण समुद्री जल का गरम होना है। ज्यों ही समुद्री जल गरम होता जाएगा, त्योंही समुद्र से उठने वाले तूफानों की भयावहता बढ़ती जाएगी। हम सब यह बखूबी जानते हैं कि समुद्र का तापमान क्यों बढ़ रहा है? इसके पीछे की वजह साफ है पर्यावरण में ग्रीनहाउस गैसों का बढ़ना। ऐसे में, अब दरकार इस बात की है कि हमें ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन को नियमित रूप से कम करना होगा। लेकिन, जब भी ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन को कम करने का सवाल उठता है तो इस मसले पर होने वाले वैश्विक सम्मेलनों में इसका ठीकरा विकासशील देशों पर फोड़ दिया जाता है और सबसे ज्यादा कार्बन उत्सर्जित करने वाले अमीर और विकसित देश अपनी जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ लेते हैं 7 सवाल उठता है कि कार्बन उत्सर्जन के मुद्दे पर विकसित और अमीर देशों के मौजूदा रूख के बने रहते क्या हम इससे पैदा होने वाली स्थिति में किसी सुधार की उम्मीद कर सकते हैं? इसके बावजूद इस मसले पर वैश्विक स्तर पर चिंता जताने और हालात में सुधार होने की उम्मीद में कमी नहीं होती है। अगर हम ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन को स्थायी रूप से कम करते जाने की पुख्ता व्यवस्था कर लेते हैं तो यह बहुत हद तक संभव है कि हम भविष्य में ऐसी आने वाली विपदाओं से बच सकते हैं।

यह वैज्ञानिक उपलब्धियों का शुक्र है कि इस बार अरब सागर और बंगाल की खाड़ी में आए चक्रवात की पूर्व चेतावनी ने लोगों को सुरक्षित इलाकों में जाने का अवसर दे दिया। इससे जनक्षति कम से कम हुई है। वहीं, कुछ साल पहले ऐसे चक्रवातों के आने की पूर्व सूचना के अभाव में लाखों लोगों को अपनी जान से हाथ धोना पड़ता था। हालांकि, इस बार तोक्ते और यास ने कोई कम तांडव नहीं मचाया है, भले ही इस चक्रवात से कम जनक्षति हुई हो, पर तांडव की भयावहता बिलकुल भी कम नहीं थी। इसकी भयावहता का अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि आम लोगों के तबाह होते आशियानों, धड़ाम से गिरते पेडों या टूटते बिजली के खंभों, हवाई रूप लेते छप्परों और बैनरों से तबाही का भयावह मंजर साफ देखा गया। यह कहा जा सकता है कि तोक्ते और यास नामक चक्रवातों ने जनक्षति को छोड़कर हूदहूद, भोला, गोर्की जैसे चक्रवातों की तरह ही तबाही मचाई है। ऐसे चक्रवात के बाद लोगों के प्रति संवेदनाओं का उमड़ना एक अलग बात है। लेकिन, ऐसी स्थिति में उनका स्थायी समाधान ढूंढा जाना एक अलग चीज है। पिछले कुछ वर्षों में देखा गया है कि पूर्वी तट पर हर दो-तीन वर्ष में एक बड़े तूफान के टकराने की आशंका बनी रहती है। ऐसे में यह जरूरी हो जाता है कि गरीबों और जरूरतमंदों को पक्के आवास में निवास करवाया जाये। चूंकि, हरेक चक्रवात के चलते उन्हें छप्पर, झोपड़-पट्टी जैसे अस्थाई आवास के कारण से विस्थापन का दंश झेलना पड़ता हैं। ऐसे में यह जरूरी हो जाता है कि केन्द्र व राज्य सरकार उनके लिए स्थायी एवं पक्के आवास बनाये जाने की पहल करे। ताकि, वे आगे से आने वाली किसी भी अप्रत्याशित संकट से विस्थापन का दंश झेलने को मजबूर न होने पाए। सरकार चाहे तो समुद्र तट से 100 से 200 किलोमीटर के बीच किसी भी प्रकार का कच्चा घर व भवन खड़ा न होने दे। इससे यह होगा कि चक्रवात के चलते कच्चे मकानों में दबकर मरने वालों की संख्या में जरूर कमी आएगी और बड़ी आबादी को विस्थापित भी नहीं करना पड़ेगा। भविष्य में आने वाली प्राकृतिक आपदाओं को झेलने की तैयारियां पहले से ही पुख्ता होनी चाहिए। भारत में आपदा जोखिम की बात करें, तो यहां अलग-अलग तीव्रता वाली एक नहीं बल्कि अनेक प्राकृतिक और मानव जन्य आपदाएं आती रहती हैं। भारत में लगभग 58.6 फीसदी भू-भाग सामान्य से लेकर बहुत अधिक तीव्रता वाला भूकम्प संभावित क्षेत्र है। 40 मिलियन हेक्टेयर से अधिक क्षेत्र यानी कुल भूमि का 12 फीसदी बाढ़ और नदी अपरदन संभावित है। इसके अलावा 68 फीसदी कृषि योग्य क्षेत्र सूखा संभावित है। वहीं, भारत में सदा पहाड़ी क्षेत्रों में भू-स्खलन और हिम-स्खलन का जोखिम बना रहता है। आंकड़े बताते हैं कि भारत में 1980 से 2010 के बीच में समुचित आपदाओं में सूखा 7 बार, भूकम्प 16 बार, महामारी 56 बार, अत्यधिक गर्मी 38 बार, बाढ़ 184 बार, कीट संक्रमण 1 बार, बड़े पैमाने पर सूखा 34 बार, तूफान 92 बार, ज्वालामुखी 2 बार आ चुके हैं। इन सब के चलते प्रगति की दौड़ में किए गए कार्य धराशाई हो जाते हैं। आमजन प्रभावित होने के साथ-साथ बहुत बड़े स्तर पर आर्थिक नुकसान उठाना पड़ता है। इसके चलते मानव जीवन को तहस-नहस करके रख दिया जाता है। ऐसे में प्राकृतिक आपदाओं को रोकने के कारगर उपाय क्या हो? बता दें, प्राकृतिक आपदाओं को पूरी तरह से रोका जाना संभव नहीं हैं। हां, प्राकृतिक आपदाओं से होने वाले नुक़सान को कम जरूर किया जा सकता है।? इसके लिए यह महत्त्वपूर्ण है कि बांध, सड़कों, पुलों, फ्लाईओवरों, रेल की लाइनों, बिजली घरों, जल भण्डारण, टावरों, सिंचाई नहरों, डेल्टा जल वितरक तंत्र, नदी तथा तटीय तटबंधों, पत्तनों तथा अन्य नागरिक जनोपयोगी सेवाओं जैसी महत्त्वपूर्ण अवसंरचनाओं को विश्वव्यापी सुरक्षा निर्देश के अनुरूप निर्मित और मॉनिटर करने की जरूरत हैं। पर्यावरणिक रूप से सतत विकास में सततता को सुनिश्चित करने के लिए पर्यावरण संबंधी संरक्षण और विकास संबंधी प्रयास दोनों साथ-साथ चलाए जाने की आवश्यकता है। इसके साथ ही पारिस्थितिकी संतुलन को बनाए रखने के लिए अधिकाधिक भूमि पर पौधारोपण करने की निहायत जरूरत समझते हुए कदम उठाया जाए। पारिस्थितिकी संतुलन और स्थाई विकास को बनाए रखने के लिए वनों दीप समूहों, तटवर्ती क्षेत्रों, नदियों, कृषि, शहरी पर्यावरण और औद्योगिक पर्यावरण एवं पारिस्थितिकी प्रणालियों पर भी गौर करना होगा। आज जलवायु में परिवर्तन होने के कारण चक्रवात, बाढ़ तथा सूखे जैसी प्राकृतिक आपदाएं आने की प्रबलता बढ़ी हैं। ऐसे में, एक सतत् एवं प्रभावी तरीके से इन चुनौतियों से निपटने के लिए जलवायु परिवर्तन के अनुकूल क्रियाओं को प्रोत्साहित और संवर्धित करने की जरूरत है। किसी आपदा से निपटने में विद्यमान एवं नए संस्थागत प्रबंधों को एकीकृत, सहयोगी एवं क्रियाशील दृष्टिकोण अपनाने की सख्त दरकार है। इसके साथ-साथ हमें प्रकृति की ताकत से भली-भांति परिचित होने और उसके महत्त्व को स्वीकार करते हुए आगे बढ़ना होगा। अगर हम समय रहते नहीं चेते, तो ऐसे में निकट भविष्य में बहुत बड़े संकट से दो-चार होना पड़ेगा।

- अली खान
(स्वतंत्र लेखक एवं स्तंभकार)
जैसलमेर, राजस्थान

शकुन बत्रा की फिल्म में यह रोल निभाएंगी दीपिका पादुकोण

बॉलीवुड एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण कई फिल्मों में नजर आने वाले हैं। इसमें से एक शकुन बत्रा की फिल्म भी है। इस फिल्म में दीपिका एक खास भूमिका निभाने वाली हैं। हालांकि, इस फिल्म में उनके रोल को लेकर कोई जानकारी नहीं मिली थी। अब जो खबर सामने आई है, उससे बेशक इसे लेकर दीपिका के फैंस की उत्सुकता और ब? जाएगी। दरअसल, दीपिका फिल्म में एक फिटनेस ट्रेनर का किरदार निभाने जा रही हैं। फिल्म एक सेलिब्रिटी फिटनेस ट्रेनर की लाइफ पर आधारित है। पिछले साल निर्देशक शकुन बत्रा ने दीपिका पादुकोण, अनन्या पांडे, सिद्धांत चतुर्वेदी और धैर्य कारवा के साथ अपनी नई फिल्म का ऐलान किया था। हालांकि, उनकी इस फिल्म का नाम अभी तय नहीं हुआ है। खबरों के मुताबिक इस फिल्म में दीपिका एक फिटनेस इंस्ट्रक्टर क ी

कोरोना मरीजों की मदद के लिए आगे आए अक्षय कुमार और ट्विंकल खन्ना, दान किए 100 ऑक्सीजन कंसंट्रेटर्स

देश में कोरोनावायरस के बढ़ते मामलों के कारण हालात बेहद चिंताजनक बने हुए हैं। देश ऑक्सीजन की कमी से जूझ रहा है। इस संकट की घड़ी में कई बॉलीवुड सेलेब्स मदद के लिए आगे आए हैं।

अब अक्षय कुमार और उनकी पत्नी ट्विंकल खन्ना ने कोरोना मरीजों के लिए 100 ऑक्सीजन कंसंट्रेटर्स दान किए हैं। ट्विंकल ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल पर इस बात की जानकारी दी है।

ट्विंकल ने कहा कि लंदन की एक फाउंडेशन की मदद से वह और अक्षय 100 ऑक्सीजन कंसंट्रेटर्स मुहैया कराने में सफल रहे हैं। बताया जा रहा है कि इस संस्था के माध्यम से इसे लोगों तक पहुंचाया जाएगा। ट्विंकल ने बताया कि यह संस्था 120 ऑक्सीजन कंसंट्रेटर्स उपलब्ध कराएगी। ऐसे में कुल 220 ऑक्सीजन कंसंट्रेटर्स का प्रबंध किया गया है। ट्विंकल ने लिखा, %अद्भुत खबर। लंदन इलीट हेल्थ से दैविक फाउंडेशन के तहत डॉक्टर दर्शनिका पटेल और डॉक्टर गोविंद बानकानी ने 120 ऑक्सीजन कंसंट्रेटर्स देने का फैसला किया है। साथ ही अक्षय और मैंने मिलकर 100 और ऑक्सीजन कंसंट्रेटर्स का इंतजाम क?या है। इस प्रकार यह आंकड़ा 220 तक पहुंच गया है।%

इससे पहले अक्षय कुमार ने पूर्व क्रिकेटर गौतम गंभीर की संस्था तलरू को एक करो? रुपए की सहायता राशि प्रदान की थी। इस महामारी में बॉलीवुड के कई कलाकार मदद के लिए आगे आए हैं। हाल में टीवी कलाकार गुरमीत चौधरी ने भी 1000 अस्पताल बेड्स बनाने का ऐलान किया है।

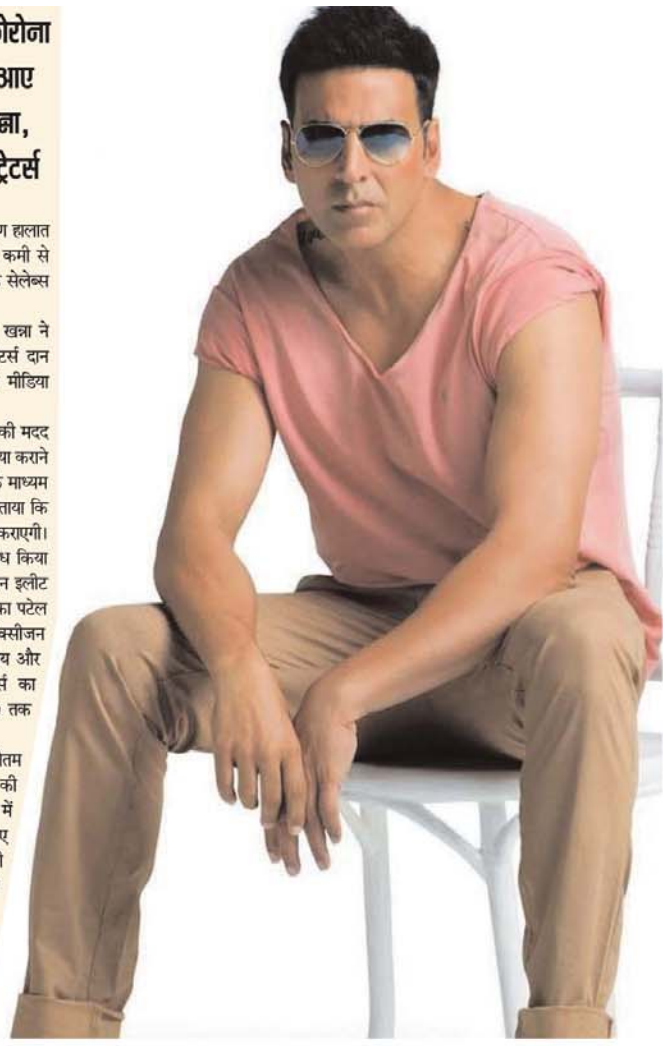

सनी लियोनी ने फैंस को दिए हैप्पी मैरिड लाइफ के टिप्स, वीडियो हो रहा वायरल

सनी लियोनी ने फिल्म इंडस्ट्री में अपनी एक अलग पहचान बनाई हैं। सनी सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं और फैंस के साथ अक्सर अपनी तस्वीरें और वीडियो शेयर करती रहती हैं। सनी ने हाल ही में अपनी एक वीडियो शेयर किया है। इस वीडियो में सनी लियोनी अपने पति डेनियल वेबर के साथ जमकर मस्ती करती नजर आ रही हैं। सनी का यह वीडियो सोशल मीडिया पर छाया हुआ है। इस वीडियो के साथ सनी ने हैप्पी मैरिड लाइफ की टिप्स भी दी हैं। सनी लियोनी ने वीडियो शेयर करते हुए फैंस को बताया कि अगर कामयाब शादी चाहते हैं, तो इन 5 टिप्स को जरूर फॉलो करें। वीडियो में लिखा दिखेगा- साथ में 10 साल हो गए हैं। अच्छी शादीशुदा जिंदगी के लिए 5 टिप्स। पहला दोनों के बीच बातचीत जरूरी है। दूसरा साथ में डेट नाईट प्लान करें। तीसरा खाना बनाएं। चौथा एक दूसरे को हंसाए। पांचवा एक दूसरे की तारीफ करें। बता दें कि सनी लियोनी और डेनियल वेबर की शादी साल 2011 में हुई थी। सनी लियोनी की सोशल मीडिया पर बड़ी फैन फॉलोइंग है। वह जब भी कोई पोस्ट शेयर करती हैं वह कुछ ही समय में वायरल हो जाती है।

क्या इलियाना डिक्रूज ने करवाया था अबॉर्शन? एक्ट्रेस ने बताया सच

बॉलीवुड एक्ट्रेस इलियाना डिक्रूज अपने बेबाक अंदाज के लिए जानी जाती हैं। इन दिनों इलियाना अपने बारे में फैली अफवाहों को सुनकर काफी आहत हैं। उन्होंने इसे काफी दुखद करार दिया। खबरों के अनुसार एक इंटरव्यू में इलियाना ने बताया कि उनके बारे में ये फेक न्यूज फैलाया जा रहा है कि वो प्रेग्नेंट थी और इसके चलते उन्होंने अपना अबॉर्शन भी करवाया है। खबरों के अनुसार इलियाना ने कहा कि कुछ लोग हैं जो अफवाहें उड़ाते हैं जिसमें से एक खबर मेरी प्रेग्नेंसी और अबॉर्शन से जुड़ी थी। लोग इस तरह की खबर लिखते हैं ये बहुत दुखद है। इतना ही नहीं ये भी लिखा गया कि मैंने सुसाइड की कोशिश की थी लेकिन मेरी मेड ने मुझे बचा लिया था। उन्होंने कहा, जबकि मैं आपको बता दूं कि मेरी कोई मेड नहीं है और मैं जिंदा हूं। इस तरह की खबरों का क्या तुक बनता है। मुझे नहीं पता उन्हें ऐसी खबरें मिलती भी कहां से हैं। बता दें कि 2018 में भी इलियाना को और उनके बॉयफ्रेंड को लेकर कुछ खबरें आई थीं। हालांकि इलियाना ने इंस्टाग्राम पर पोस्ट लिखकर इसका खंडन किया था। कुछ दिनों पहले ही इलियाना ने खुलासा किया था कि वह 12 साल की उम्र से बॉडी शेमिंग का शिकार होती आई हैं। इलियाना डीक्रूज के वर्क फ्रंट की बात करें तो उन्होंने 2012 में फिल्म बर्फी से अपने बॉलीवुड करियर को शुरू किया था। इस साल इलियाना ने फिल्म द बिग बुल से अपना डिजिटल डेब्यू भी

जैस्मिन भसीन की कोरोना पॉजिटिव मां को नहीं मिल रहा था अस्पताल में बेड, एक्ट्रेस ने बयां किया दर्द

देश में कोरोनावायरस का प्रकोप बढ़ता ही जा रहा है। इस महामारी के कारण स्वास्थ्य व्यवस्था पर बहुत बुरा असर पड़ा ह। लोगों को अस्पताल में बेड से लेकर ऑक्सीजन तक के लिए परेशान होना पड़ रहा है। अब जैस्मिन भसीन ने भी इस बीच अपना दर्द बयां किया है। जैस्मिन ने बताया कि हाल ही में उनकी मां की तबीयत बहुत ज्यादा खराब हो गई थी और उन्हें अस्पताल में एडमिट करना था, लेकिन वहां उन्हें बेड ही नहीं मिला। उनके पिता को इसके लिए काफी भागना पड़ा। जैस्मिन ने ट्वीट किया, बहुत दुख की बात है। हर जगह सब मर रहे हैं। लोग सड़कों पर लेटे हैं, अस्पताल में बेड और ऑक्सीजन नहीं मिल रहा है। मेरी अपनी मां ऐसी ही मुसीबत को झेल चुकी हैं 2 दिन पहले। हमें अस्पताल में उनके लिए बेड नहीं मिल रहा था। मेरे पिता जिनकी उम्र भी ज्यादा है उन्हें हर अस्पताल के कई चक्कर लगाने पड़े। जैस्मिन ने अगले ?ट्वीट में लिखा, लोग अपनों को खो रहे हैं, किसे हम इसके लिए ब्लेम करें? क्या हमारा सिस्टम फेल हो गया है? जैस्मिन के इस पोस्ट पर फैंस उनके पैरेंट्स के लिए दुआ कर रहे हैं कि वे ठीक रहें। बता दें कि जैस्मिन भसीन ने बीते साल रियलिटी शो 'बिग बॉस 14' में हिस्सा लिया था।

एक नजर...

मंदसौर शहर के शिवना तट पर गैस पर आधारित शवगृह निर्माण कार्य के लिए जनभागीदारी योजना अंतर्गत 46 लाख 83 हजार 578 रुपए की प्रशासकीय वित्तिय स्वीकृति जारी

मंदसौर। शिवना नदी तट पर मंदसौर शहर में मुक्ति धाम शमशान घाट पर अंतिम संस्कार के लिए गैस पर आधारित शवगृह निर्माण के लिए जनभागीदारी योजनांतर्गत 46 लाख 83 हजार 578 रुपए की राशि की प्रशासकीय वित्तिय स्वीकृति उज्जैन आयुक्त द्वारा जारी कर दी गई है। उल्लेखनीय है कि इस कार्य योजना के लिए उद्योगपति श्री प्रदीप गनेडीवाल द्वारा 15 लाख रुपए की राशि जनभागीदारी योजना के अंतर्गत कलेक्टर श्री मनोज पुष्प को नगरपालिका परिषद को दी गई थी। योजना के अंतर्गत शेष राशि नगरपालिका ने मिलाकर इसे मूर्तरूप दिया है। वरिष्ठ विधायक यशपालसिंह सिसौदिया ने यह जानकारी देते हुए बताया कि इस तरह की व्यवस्था इंदौर, उज्जैन के मुक्तिधाम शमशान घाट पर भी है। जहां मृतकों का अंतिम संस्कार गैस पर आधारित शवगृह में किया जाता है। सिसौदिया ने प्रदीप गनेडीवाल तथा नगरपालिका के प्रति आभार व्यक्त किया है।

सभापति ने किया इंदिरा रसोई का आकस्मिक निरीक्षण एवं वैदिक गुरुकुल के चल रहे निर्माण कार्य को भी देखा

प्रतापगढ़। सभापति जनसेवक रामकन्या प्रह्लाद गुर्जर द्वारा आज शहर में विभिन्न निर्माण एवं सेवा कार्यों का औचक निरीक्षण किया गया। एक प्रेस विज्ञप्ति में सभापति प्रवक्ता गोपाल धाभाई ने बताया कि आज नगर परिषद सभापति जनसेवक रामकन्या प्रह्लाद गुर्जर ने शहर में जरूरतमंदों को नगर परिषद द्वारा इंदिरा रसोई के माध्यम से उपलब्ध कराए जा रहे निशुल्क भोजन शाला इंदिरा रसोई का आकस्मिक निरीक्षण किया तथा वहां की व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा यहां पर बनने वाले भोजन की गुणवत्ता को भी परखा सभापति के निजी सहायक प्रह्लाद गुर्जर ने इंदिरा रसोई में ही बैठकर पार्षद साथियों के साथ भोजन किया। धाभाई ने बताया कि इसके अलावा सभापति ने शहर के दीप नाथ महादेव मंदिर परिसर स्थित वैदिक गुरुकुल के चल रहे निर्माण कार्यों को भी देखा तथा यहां अधूरे पड़े कार्यों को शीघ्र पूरा करने के लिए ठेकेदार को निर्देश दिए। औचक निरीक्षण के दौरान पार्षद प्रतिक शर्मा, प्रतिक खोईवाल, पार्षद प्रतिनिधि विकास चनाल पार्षद आशीष शर्मा भी मौजूद रहे ।

रैपिड एंटीजन टेस्ट करवाना अनिवार्य रहेगा

नीमच। व्यापारी संघ अध्यक्ष श्री राकेश भारव्दाज नीमच ने सभी व्यापारियों से आग्रह किया है एवं आवश्यक सूचना भी दी गई है, सुरक्षित रहें सुरक्षित रखें मंडी व्यापार में मंडी परीसर में। जिला कलेक्टर महोदय के निर्देशानुसार ,कल दिनांक 29-05-2021 को सभी व्यापारियों एवं उनके मुनीम बंधु जो मंडी में नीलामी प्रक्रिया में भाग लेंगे उनके लिए कोविड रैपिड एंटीजन टेस्ट शिविर धनिया मंडी शेड प्रांगण पर प्रातः 9=30 बजे से शाम 5=00 बजे तक लगाया जा रहा है। अतः जो भी बंधु नीलामी प्रक्रिया में भाग लेते हैं मंडी में आते हैं उनको अपना रैपिड एंटीजन टेस्ट करवाना अनिवार्य रहेगा।

' पीड़ित किसान परिवारों की 8 लाख की आर्थिक सहायता दी गई '

नीमच। आज 28 मई 2021 को कलेक्टर मयंक अग्रवाल द्वारा मुख्यमंत्री कृषक कल्याण योजना के तहत दो पीड़ित कृषक परिवारों को 8 लाख रुपये की आर्थिक सहायता स्वीकृत की गई है। 1. कुंडालिया निवासी कृषक मोहन सिंह पिता फतेह सिंह की 4 फरवरी 20 21 को कृषि कार्य करते समय मृत्यु हो जाने पर मृतक की वारिस पत्नी धनकुंवर पति मोहनसिंह को मुख्यमंत्री कृषक कल्याण योजना के तहत 4 लाख रुपये की आर्थिक सहायता स्वीकृत की गई है । 2.कलेक्टर द्वारा तलाऊ निवासी कृषक ईश्वर पिता मांगीलाल तेली कि 12 अक्टूबर 2020 को खेत पर कृषि कार्य करते समय विद्युत करंट लग जाने से बांध के पानी में गिरने से मृत्यु हो जाने पर कि वारिस की पत्नी यशोदा बाई पति ईश्वर तेली को चार लाख रुपयो आर्थिक सहायता स्वीकृत की गई है।

विक्रम सीमेंट फैक्टरी में हादसा, 20 लाख रुपए, पत्नी को नौकरी, बेटे की पढ़ाई की जिम्मेदारी प्रबंधन ने ली

नीमच। जावद तहसील के खोर गांव में स्थित विक्रम सीमेंट फैक्टरी में बुधवार सुबह लाइम स्टोन (पत्थर) पर काम कर रहा ठेकेदार का एक मजदूर अचानक मशीन में आ गया। जिसकी बेल्ट व कुली में फंसने से मौत हो गई। ऑपरेटर मशीन बंद करके इंजीनियर को जानकारी देकर मौके से फरार हो गया। आनन-फानन में मशीन से मजदूर का शव निकाला और एंबुलेंस से जिला अस्पताल भेज दिया। परिजन को घटना के दो घंटे बाद हादसे की सूचना दी। परिजन फैक्टरी पहुंचे तो जवाब दिया हालात गंभीर होने पर जिला अस्पताल भेज दिया। दोपहर एक बजे परिजन गांव के लोग अस्पताल पहुंचे। इधर फैक्टरी में जावद एसडीएम की उपस्थिति में समझौता बैठक हुई। इसमें प्रबंधन ने मृतक के परिवार को 20 लाख रुपए, पत्नी को नौकरी व बेटे की पढ़ाई का खर्च उठाने पर सहमति दी। दोपहर में जिला अस्पताल में पीएम के बाद शव परिजन घर ले गए और शाम पांच बजे अंतिम संस्कार किया। सीमेंट फैक्टरी में ठेकेदार जयसिंह के अंडर में नयागांव निवासी नरेश (45) पिता शिवलाल जायसवाल लाइम स्टोन की मशीन पर काम करता था। बुधवार सुबह की शिफ्ट में काम करने पहुंचा। मशीन ऑपरेटर राजू बैरागी के साथ काम कर रहा था। सुबह 10.30 बजे अचानक मशीन के बेल्ट में वह आ गया। ऑपरेटर ने समय पर मशीन बंद नहीं की और वह बेल्ट व कुली में पिसा गया। नरेश का सिर मशीन में फंसा रह गया। हादसा देख ऑपरेटर दौड़ता हुआ इंजीनियर के पास पहुंचा और जानकारी देकर भाग गया। कर्मचारियों ने मृतक का शव मशीन से निकाला और एंबुलेंस से जिला अस्पताल पहुंचा दिया।

हम आपकी सुरक्षा के लिए

24 घंटे हैं तत्पर आप घर पर रहें सुरक्षित रहें यही हमारी अपील: जिला पुलिस अधीक्षक

प्रतापगढ । जिला पुलिस अधीक्षक के नेतृत्व में गांधी चौराहे पर बेवजह घूमने वालों पर की कार्रवाई ÷ कहीं लोगों को समझाइस कर किया रवाना। प्रतापगढ़ जिला पुलिस अधीक्षक चुनाराम जाट के निर्देशानुसार अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक चिरंजीलाल मीणा उप अधीक्षक ऋषिकेश मीणा व सीआई मदनलाल खटीक के नेतृत्व में जगह जगह नाकाबंदी कर बेवजह घूमने वालों पर पुलिस द्वारा चालानी कार्रवाई की जा रही है वही सरकार की गाइडलाइन के नियमों को बेवजह घूमने वालों को कोरोना महामारी से कैसे बचे इसके उपाय भी नाकाबंदी के दौरान लोगों को बताए जा रहे हैं वही बेवजह घूमने वाले लोगों के पुलिस द्वारा चालान बनाए जा रहे हैं वहीं कहीं लोगों को समझाइश कर छोड़ा जा रहा है शहर में नीमच नाका धरियावद नाका अरनोद नाका शहर के गांधी चौराहे पर पुलिस द्वारा बैरिकेट्स लगाकर मुस्तैदी के साथ-अपनी ड्यूटी बखूबी से निभा रहे हैं वहीं शहर के गांधी

चौराहे पर महिला थाना अधिकारी मधु कुंवर द्वारा भी लोगों महिलाओं से कोरोना महामारी के उपाय लोगों को बताया जा रहा है महिला थाना अधिकारी मधु कुंवर ने वाहन चालको से निवेदन किया कि बेवजह बाहर नहीं निकले कोरोना गाइडलाइन का पालन करें व समय-समय पर सेनीटाइजर से अपने हाथ थोते रहे व मास्क का उपयोग जरूर करें वहीं जिला पुलिस अधीक्षक चुनाराम जाट ने प्रतापगढ़ जिले वासियों से कोरोना गाइडलाइन की पालना करने की बात कही व सभी को कोविड-टीका लगवाने की अपील की कोविड टीका लगवाने से आप और आपका परिवार सुरक्षित रहेगा इसलिए कोरोना वैक्सीन जरूर लगवाएं जब ही हम सब मिलकर कोरोना की चैन को तोड़ पाएंगे वही गांधी चौराहे पर महिला थाना अधिकारी मधु कुंवर राजू राम जाट बीरबल मीणा बालू राम मीणा मदन लाल मेघवाल सहित कहीं पुलिस जवान नाकाबंदी के दौरान मौजूद थे।

प्रदेश अध्यक्ष नारायण सोमानी, पत्रकार महावीर चौपड़ा ने लगवाया कोविड का पहला टीका

नीमच। जावद में योगी युवा वाहिनी प्रदेश अध्यक्ष एवं भाजपा नेता नारायण सोमानी एवं नगर प्रेस क्लब अध्यक्ष महावीर चौपडा ने शुक्रवार को बस स्टैंड स्थित स्कूल मैदान पर जाकर शासकीय स्कूल में सीएचओ रानु धाकड से रजिस्ट्रेशन कराया, साथ ही शासकीय चिकित्सालय स्टाफ नर्स रीमा बौरासी से कोविंड का पहला वैक्सीन टीका लगवाया। योगी युवा वाहिनी प्रदेश अध्यक्ष नारायण सोमानी, युवा पत्रकार महावीर चौपडा ने टीका लगवाने के बाद कहा है की सभी 45+ व्यक्ति एवं 18+ युवाओ सभी स्कूल मैदान शासकीय स्कूल कोविड वैक्सीन सेंटर पर जाकर टीका जरूर लगवाए। साथ ही कहां है की में पहले की तरह बिलकुल स्वस्थ्य हु। साथ ही में आपको यह संदेश देता हु की आप सभी घर पर रहे, बाहर नही निकले शासन प्रशासन की गाइडलाइन 2 गज दुरी मास्क है जरुरी नियमो का सभी पालन करे। कोरोना कर्फ्यु लॉकडाउन में वाहनो से बाजारो में ना घुमे। कोरोना हारेगा, हम जीतेंगे।

सिद्धार्थ चौधरी पुलिस अधीक्षक ने पुलिस लाइन और शस्त्रागार का निरीक्षण किया

मंदसौर। मंदसौर पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ चौधरी के द्वारा 28 मई 2021 को मंदसौर पुलिस लाइन का निरीक्षण किया साथ लाइन में बने कोविड स्टोर रूम, शस्त्रागार रूम का भी मौका मुआयना कर सभी जगह धूम कर निरीक्षण किया और उपस्थित सभी अधिकारीयो कर्मचारियों को अबश्य सुझाव व निर्देश दिए गए। पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ चौधरी को पुलिस लाइन पंहुचने पर गार्ड ऑफ ऑनर दिया जाकर विधिवत आगवानी की गई।

कुकड़ेश्वर के टीकाकरण सेंटर पर जमा हुई भीड़ पुलिस ने संभाला मोर्चा -नगर परिषद क्षेत्रों में वेक्सीन संख्या बढ़ाये

नीमच। 18+ वालो का जिला मुख्यालय को छोड़कर सभी वेक्सीन सेंटर पर सीधे जाकर ऑन साइट बुकिंग से होगा टीकाकरण लक्ष्य दिया गया 100 व्यक्तियों का लेकिन टीकाकरण करवाने वाले पहुंचे सेंटर पर 300 से 400 लोग जैसे लोगों को निमंत्रण देकर तो बुला लिया गया लेकिन शासन प्रशासन उनकी व्यवस्था नहीं कर पाए महिलाएं पुरुष बेरंग पहुंचे अपने घर टीका लगवाने आए कुकड़ेश्वर सेंटर पर लोगों ने बताया यहां भेदभाव तरीके से कार्य हो रहा है मुकेश जिगर ने शासन प्रशासन पर आरोप लगाया निमंत्रण देकर बुला दिया गया और यहां सेवा भारती आपातकालीन प्रबंधन समिति के कार्यकर्ता यहां मनमानी कर रहे हैं इनके द्वारा टोकन अपने चहेते लोगों को दिलवा दिया गया आगे जिगर ने आरोप लगाया यहां से आपदा प्रबंधन सेवाभावी लोगों को यहां नटवरी नौटंकी कर नेतागिरी कर रहे हैं यहां की व्यवस्था शासकीय कर्मचारियों को दी जाए कलेक्टर से की मांग की है कि वैक्सीन डोज लगवाने आए लोगों को पुलिस ने ग्राउंड से बाहर निकाला उस वक्त लोगों में आक्रोश व्याप्त था वैक्सीन सेंटर पर नायब तहसीलदार सुश्री रेशमी धुर्वे स्वयं मौजूद रहे कुकड़ेश्वर थाना प्रभारी संदीप तोमर की टीम मौके पर व्यवस्था में लगी रही आगे एएनएम कला चौधरी ने कहा हमें लक्ष्य 100 का दिया है ज्यादा लक्ष्य मिलता तो सभी को टीके लगाते मध्य प्रदेश पटेल संघ के प्रदेश प्रवक्ता राजेंद्र पटेल ने शासन प्रशासन से मांग की है लोगों को निमंत्रण देकर टीका लगाने के लिए तो बुला लिए गए हैं लेकिन मात्र 100 का लक्ष्य कर्मचारियों को दिया गया पटेल ने मांग करते हुए बताया की हर सेंटर पर लक्ष्य बढ़ाकर जिले की नगर परिषद क्षेत्रो में लगभग 200 टीके रोज लगे एसी व्यवस्था की जाए कलेक्टर एंव स्वास्थ्य अधिकारी इस ओर ध्यान दें और वैक्सीन का लक्ष्य बढ़ाया जाए।

विकासशील विधायक मारू के प्रयास से 14.57 रिंगवाल हाइट बढ़ाने के स्वीकृत

नीमच। रामपुरा तहसील में गांधी सागर डूब क्षेत्र की रिंग वाल की 14 करोड़ 17 लाख 82 हज़ार की लागत से मरम्मत होगी। करीब 8 फीट की हाइट बढ़ेगी और पंप हाउस व जनरेटर की क्षमता में वृद्धि की जाएगी। यह संभव हुआ विधायक अनिरुद्ध (माधव) मारू के प्रयास से। जल संसाधन विभाग में आपदा राहत कोष से रामपुरा निगवाल विकास की प्रशासकीय स्वीकृति जारी कर दी है। वर्ष 2019 में आई बाढ़ एवं अतिवृष्टि से रामपुरा रिंगवाल क्षतिग्रस्त हो गई थी। इससे रामपुरा सहित आसपास के क्षेत्र के गांव में पानी भर गया था। जिससे काफी नुकसान भी हुआ। दोबारा ऐसी स्थिति नहीं बने इसके लिए विधायक मारू लगातार प्रयासरत थे। मारू ने जलसंसाधन विभाग से रामपुरा रिंग वाल का सर्वे कराया और इसकी हाइट बढ़ाने व अन्य विकास को लेकर डीपीआर तैयार करवाई गई। रिंग वाल की हाइट बढ़ाने के साथ ही अन्य विकास कार्य की प्रशासकीय स्वीकृति के लिए विधायक मारू ने मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान एवं जल संसाधन मंत्री तुलसी सिलावट से भी मिले। विधायक अनिरुद्ध (माधव) मारु नेआज बताया रिंग वाल की मरम्मत व अन्य विकास के लिए राशि जारी कर दी गई है। वर्तमान में रिंग वाल की हाइट 1320 फिट है और 8 फीट बढ़ाई जाएगी तो इस तरह रिंग वाल की कुल हाइट 1328 फिट हो जाएगी। वहा पर स्थापित पंप और जनरेटर की क्षमता भी बढ़ाई जाएगी। शीघ्र ही टेंडर जारी कर जल्द भूमि पूजन कर कार्य शुरू किया जाएगा। बारिश पहले काम हो जाएगा ऐसा हर संभव प्रयास किया जाएगा।

आयुष्मान कार्ड में आ रही दिक्कतों को दूर किया जाए

मंदसौर। विश्वसनीय सूत्रों से जानकारी प्राप्त हुई है, की वर्तमान में जो आयुष्मान कार्ड बनाए जा रहे हैं । उसमें बहुत सारे लोग लाभान्वित होने से बच रहे हैं । इसमें कई परिवार बीपीएल कार्ड वाले भी सम्मिलित हैं ।जहां तक जानकारी प्राप्त हुई है उक्त डांटा 2011 के सर्वे के आधार का मालूम पड़ रहा है। संपूर्ण जिले में लगभग 20 से 30त्न आयुष्मान कार्ड के लाभ से वंचित रहे रहे हैं। लोग परेशान हो रहे हैं , साथ ही पंचायत कर्मी और जनप्रतिनिधि को भी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है । वह जनता को जवाब भी नहीं दे पा रहे हैं ।ऐसी परिस्थितियों में संबंधित अधिकारी और उच्च अधिकारी इस डाटा को अपडेट कर नवीन सूची ग्राम पंचायतों को उपलब्ध कराएं जिससे कि हर व्यक्ति को आयुष्मान कार्ड का लाभ प्राप्त हो सके ।

सींगोली के युवा जिस बीमारी से बचने का टीका लगवा रहे-उसी बीमारी के नजदीक जाने भीड़ लगा रहे

नीमच। कोरोना संक्रमण की महामारी से बचाव को लेकर सींगोली कस्बे में 18+ वालों के लिए स्थानीय शासकीय बालक हायर सेकेंडरी स्कूल प्रांगण में गुरुवार से शुरू किए गए टीकाकरण अभियान के दौरान 28 मई शुक्रवार को उमड़ी भीड़ जमा होने से टीकाकरण स्थल पर कोरोना गाइड लाइन का खुला उल्लंघन किया गया और कोविड प्रोटोकाल की जमकर धज्जियां उड़ाई गई । शुक्रवार को सुबह लगभग 10=00 से आंन साइड बुकिंग द्वारा शुरू किए गए टीकाकरण में दोपहर 12 बजे लिए गए चित्र में दिखाई दे रही भीड़ को नियंत्रित करने की कोई व्यवस्था नहीं होने से टीके लगवाने वालों का हुजूम उमड़ पड़ा। भीड़ अधिक जमा होने से टीकाकरण केन्द्र पर लोगों ने न तो सोशल डिस्टेंसिंग का पालन किया और कुछ तो मास्क भी नहीं पहने हुए दिखाई दिए । यह स्थिति टीकाकरण कक्ष के बाहर ही नहीं बल्कि टीकाकरण कक्ष में भी देखी गई और बढ़ती हुई भीड़ पर नियंत्रण की कोई व्यवस्था नहीं थी, लेकिन दोपहर 12=00 बजे बाद सिंगोली पुलिस थाने का वाहन टीकाकरण केंद्र पर पँहुचा और लोगों को इधर-उधर करने

का प्रयास किया गया। उल्लेखनीय है कि आगामी समय में भी टीकाकरण स्थल पर यदि शुक्रवार की तरह ही भीड़ उमड़ती रही तो टीकाकरण स्थल खुद ही कोरोना संक्रमण का एक सुपर स्पेडर बन जाएगा और जो लोग अब तक सुरक्षित रहे हैं एक छोटी सी लापरवाही उन्हें बहुत बड़ी भारी पड़ सकती है। इसलिए स्थानीय प्रशासन द्वारा टीकाकरण केंद्र पर कोविड प्रोटोकाल के पालन के लिए स्थल पर अनुशासन बनाए रखने की व्यवस्था सुनिश्चित की जानी चाहिए, ताकि किसी भी व्यक्ति को किसी तरह का नुकसान ना पहुंचे। सिंगोली में 18 वर्ष से 44 वर्ष तक के आयु वर्ग के लोगों के लिए 27 अप्रैल से शुरू किए गए टीकाकरण कार्यक्रम के दूसरे दिन 28 तारीख को महिलाएं और नवयुवतियां भी बड़ी संख्या में मौजूद थी। ऑनलाइन बुकिंग के बाद भी गुरुवार को टीकाकरण केंद्र पर कुछ लोगों के नहीं पहुंचने से शाम 4 बजे बाद मौके पर मौजूद लोगों को भी टोकन देकर टीका लगाया गया। गुरुवार को 150 का लक्ष्य था तो शुक्रवार को भी 150 लोगों को टीका लगाए जाने का लक्ष्य तय किया गया।

19 सितंबर से दोबारा शुरू हो सकता है आईपीएल -2021, 10 अक्टूबर को फाइनल!

नई दिल्ली ■ ब्यूरो

दुनिया के सबसे लोकप्रिय टी20 टूर्नामेंट इंडियन प्रीमियर लीग के प्रशंसकों के लिए बड़ी खुशखबरी सामने आई है. आईपीएल का 14वां सीजन इस साल अप्रैल में शुरू तो हो गया था, लेकिन कोरोना वायरस के चलते उसे बीच में ही रोकना पड़ा. अब नई रिपोर्ट के अनुसार, आईपीएल-2021 के बचे मुकाबले इस साल सितंबर से शुरू हो सकते हैं जबकि अक्टूबर में उसका फाइनल खेला जाएगा. आईपीएल 2021 के बाकी बचे मैचों का आयोजन 19 सितंबर से हो सकता है. वहीं इसका फाइनल मुकाबला 10 अक्टूबर को खेला जा सकता है. रिपोर्ट के मुताबिक, एक सीनियर अधिकारी ने बताया कि 'टूर्नामेंट के बाकी बचे मुकाबलों को 3 हफ्ते में खत्म कराया जाएगा, जिसमें 10 डबल हेडर मुकाबले होंगे.' आईपीएल 2021 को कोरोनावायरस के चलते टाल दिया गया था. जब ये टूर्नामेंट टला था, तब तक इसके 29 मुकाबले खेले जा चुके थे. जबकि 31 मैचों का आयोजन होना अभी बाकी है. रिपोर्ट के मुताबिक, 3 हफ्ते का विंडो इन 31 मैचों के आयोजन कराने के लिए काफी है. 3 हफ्ते यानी 21 दिन. इन 21 दिनों में भारतीय बोर्ड का प्लान, 7 सिंगल मुकाबले, 4 प्लेऑफ और 10 डबल हेडर कराने का है।

इंग्लैंड से ही उड़ान भरेंगे खिलाड़ी

रिपोर्ट के मुताबिक, इंग्लैंड सीरीज में को छोटा करने को लेकर कोई बात नहीं की. भारत इंग्लैंड सीरीज अपने तय समय पर ही शुरू होगी और खत्म होगी. ये सीरीज 4 अगस्त से शुरू होकर, 14 सितंबर तक चलेगी. इस सीरीज के बाद भारतीय खिलाड़ियों के वहीं से वआए के लिए उड़ान भरने की संभावना है. रिपोर्ट के मुताबिक खिलाड़ी चूंकि एक बबल से दूसरे बबल में जाएंगे, ऐसे में उन्हें सिर्फ 3 दिन क्वारंटीन रहना होगा. अधिकारी ने बताया है उसके मुताबिक, लीग के शुरू होने की तारीख स्टेक होल्डर को 18 से 20 सितंबर बताई गई है. 18 सितंबर शनिवार है वहीं 19 सितंबर रविवार. लिहाजा, बोर्ड लीग को इन्हीं वीकेंड डेट से शुरू करना चाहेगा.इसी तरह फाइनल 9 या 10 अक्टूबर को हो सकता है. भारतीय टीम का इंग्लैंड दौरा 14 सितंबर को खत्म हो रहा है, उसके बाद हनुमा विहारी और अभिमन्यु ईश्वरन को छोड़कर सभी खिलाड़ी पहुंचेंगे।

एक फ्रेंचाइजी ने भी की खबर की पुष्टि

एक फ्रेंचाइजी के अधिकारी ने पुष्टि की कि इस संबंध में पत्र मिला है. टीम अधिकारी ने कहा,हमें टूर्नामेंट के लिए तैयार रहने को कहा है. हमें 15 से 20 सितंबर के बीच का समय दिया गया है।

फ्रेंच ओपन क्वालीफायर्स में सुमित नागल जीते, अंकिता रैना बाहर हुई

पेरिस ■ एजेंसी

भारतीय पुरुष टेनिस खिलाड़ी सुमित नागल फ्रेंच ओपन के दूसरे क्वालीफायर्स मुकाबले में पहुंच गए जबकि महिला खिलाड़ी अंकिता रैना का दूसरे क्वालीफायर मुकाबले में बुधवार को हार के साथ ग्रैंडस्लैम के सिंगल्स वर्ग के मुख्य दौर में जगह बनाने का सपना एक बार फिर पूरा नहीं हुआ। हरियाणा के खिलाड़ी नागल ने पुरुष सिंगल्स के मैच में रॉबर्ट मार्कोरा को सीधे सेटों में 6-3, 6-3 से हरा दिया। वहीं, अंकिता खुद से बेहतर रैंकिंग वाली जर्मनी की खिलाड़ी ग्रेट मिन्नेन के खिलाफ एक घंटे 21 मिनट तक चले मुकाबले में सिर्फ दो गेम ही जीत पाई। विश्व रैंकिंग में 125वें स्थान पर काबिज अंकिता तीन ब्रेक प्वाइंट में से सिर्फ एक को भुना सकी और 2-6, 0-6 से हार गई। अंकिता सातवीं बार ग्रैंडस्लैम के मुख्य दौर में जगह बनाने की कोशिश कर रही थी। वह इस साल ऑस्ट्रेलियन ओपन के क्वालीफाइंग के आखिरी दौर तक पहुंची थीं।

शिव सेमीफाइनल में

दुबई। भारत की तीन महिलाओं सहित चार मुक्केबाजों ने प्रभावशाली जीत के साथ एशियाई मुक्केबाजी चैंपियनशिप के सेमीफाइनल में प्रवेश किया जिससे इस प्रतियोगिता में भारत के कम से कम 12 पदक पक्के हो गए। संजीत (91 किग्रा), साक्षी (54 किग्रा), जैस्मीन (57 किग्रा) और ओलंपिक के लिए क्वालीफाई कर चुकीं सिमरनजीत कौर ने मंगलवार को देर रात अपने क्वार्टर फाइनल मुकाबलों में जीत दर्ज करके अंतिम चार में पहुंचकर पदक पक्के किए। इससे पहले शिव थापा ने सेमीफाइनल में जगह बनाई थी। भारत के सात पदक ड्रॉ के दिन ही सुनिश्चित हो गए थे। इनमें छह बार की विश्व चैंपियन एमसी मेरी कॉम (51 किग्रा) भी शामिल हैं।

मुसेटी दूसरे दौर में पहुंचे

पार्मा। इटली के युवा टेनिस खिलाड़ी लोरेंजो मुसेटी ने हमवतन जियानलुका मागर को 4-6, 6-1, 6-2 से हराकर इमिलिया रोमाग्ना टेनिस ओपन के दूसरे दौर में प्रवेश किया। यह इस सत्र में मुसेटी की एटीपी टूर में 13वीं जीत है। इस सत्र से पहले उन्होंने टूर स्तर पर केवल पांच जीत दर्ज की थी। पिछले सप्ताह लियोन में सेमीफाइनल में पहुंचने वाले मुसेटी का सामना अब आठवीं वरीयता प्राप्त योशिहितो निशियोका से होगा जिन्होंने सैम क्वेरी को 3-6, 6-3, 7-6 से पराजित किया। पांचवीं वरीयता प्राप्त रिचर्ड गास्केट, सातवीं वरीयता प्राप्त अलजाज बेडेन और अमेरिका के 20 वर्षीय सेबेस्टियन कोर्डा भी आगे बढ़ने में सफल रहे।

| जनता, डॉक्टरों के बाद अब प्रायोजक अखबार ने कहा-रद्द करो खेल |

जापान में ओलिंपिक के खिलाफ अभियान तेज

नई दिल्ली ■ ब्यूरो

जापान की राजधानी टोक्यो में इस साल 23 जुलाई से आठ अगस्त के बीच ओलिंपिक खेलों का आयोजन किया जाना है लेकिन कोविड के बढ़ते प्रकोप के कारण इन खेलों पर संकट बना हुआ है. जापान के कई इलाकों में इमरजेंसी लगी हुई है. जापान के लोगों में भी इन खेलों के प्रति कोई ज्यादा रुझान नहीं देखा जा रहा है. वह भी इसके टालने या रद्द करने की मांग कर रहे हैं. कई लोग इसके विरोध में आ रहे हैं और अब जापान के एक प्रमुख समाचार पत्र असाही शिमबुन ने बुधवार को टोक्यो ओलिंपिक को रद्द करने की अपील की जिनके शुरू होने में अब दो महीने से भी कम का समय बचा है. असाही जापान का पहला प्रमुख समाचार पत्र है जो ओलिंपिक रद्द करने की क्षेत्रीय समाचार पत्रों की मुहिम में शामिल हुआ है. इस समाचार पत्र का ओलिंपिक के खिलाफ आवाज उठाना इसलिए महत्वपूर्ण हो सकता है क्योंकि वह जापान के कई अन्य समाचार पत्रों की तरह 23 जुलाई से शुरू होने वाले खेलों का प्रायोजक है. असाही को उदारपंथी समाचार पत्र माना जाता है और अक्सर प्रधानमंत्री योशिहिदे सुगा की सत्तारूढ़ पार्टी का विरोध करता है.

प्रधानमंत्री से लगाई गुहार

समाचार पत्र ने, 'हम मांग करते हैं कि प्रधानमंत्री सुगा रद्द करने का फैसला करें' शीर्षक के तहत लिखा है, 'हम नहीं समझते कि इन गर्मियों में शहर में ओलिंपिक का आयोजन करना तर्कसंगत है.' इसमें कहा गया है, 'हम प्रधानमंत्री सुगा से मांग करते हैं कि वे शांतचित होकर परिस्थितियों का आंकलन करें और गर्मियों में होने वाले इस आयोजन को रद्द करने का फैसला करें.'

जनता और दिग्गज व्यवसायी कर चुके हैं विरोध

इससे पहले एक सर्वे में जापान के 80 फीसदी से ज्यादा लोगों ने मौजूदा हालात में खेलों के आयोजन के खिलाफ वोट किया. सर्वे के नतीजों के मुताबिक, 43 प्रतिशत जापानी लोग चाहते हैं कि यह खेल रद्द हो जाए तो वहीं 40 प्रतिशत जापानी लोग चाहते हैं कि इन्हें टाल दिया जाए. वहीं जापान की सबसे बड़ी कंपनियों और व्यवसायियों में शुमार राकुटेन ग्रुप के संस्थापक हिरोशी मिकितानी ने ओलिंपिक खेलों की मेजबानी को सुसाइड मिशन जैसा बताया है. उन्होंने कहा कि इन खेलों को रद्द कर देना चाहिए. टोक्यो में 23 जुलाई से 8 अगस्त के बीच ओलिंपिक और फिर अगस्त के अंत में पैरालिंपिक खेलों का आयोजन होना है. यह खेल वैसे तो पिछले साल होने थे लेकिन कोरोना के कारण इन्हें एक साल तक के लिए टाल दिया गया था।

अस्पतालों और डॉक्टरों पर पहले से काफी दबाव

इससे पहले जापान की डॉक्टरों ने इन खेलों के खिलाफ मोर्चा खोला था. जापान के एक नामी मेडिकल संगठन टोक्यो मेडिकल प्रैक्टिसशनर्स एसोसिएशन ने ओलिंपिक खेलों को रद्द करने की मांग की है. संगठन ने कहा है कि देश में पहले से ही स्थानीय लोगों के संक्रमण से अस्पताल और डॉक्टरों पर काफी ज्यादा बोझ है. हाल ही में एसोसिएशन ने देश के प्रधानमंत्री को एक खुली चिट्ठी लिखी और अपील करते हुए कहा, हम प्रशासन से आग्रह करते हैं कि वे आईओसी को समझाएं कि ओलिंपिक का आयोजन मुश्किल है और उनसे इन्हें रद्द करने की सहमति हासिल करें. इस संस्था से टोक्यो के 6 हजार से ज्यादा प्राथमिक डॉक्टर जुड़े हैं और टोक्यो में ओलिंपिक के दौरान इन पर दबाव पड़ना तय है. देश में भी पिछले कुछ वक्त में संक्रमण के मामलों में बढ़ोतरी हुई है. खास तौर पर राजधानी टोक्यो और उसके आस-पास के अन्य इलाकों में लगातार तीसरी बार आपातकालीन स्थिति को 31 मई तक के लिए बढ़ा दिया गया है।

आयोजक चाहते हैं आयोजन

अंतरराष्ट्रीय ओलिंपिक समिति या स्थानीय आयोजकों ने ओलिंपिक रद्द करने की योजना के अब तक किसी तरह के संकेत नहीं दिए है लेकिन इन खेलों का विरोध लगातार बढ़ता जा रहा है क्योंकि जापान में बहुत कम जनसंख्या का टीकाकरण हुआ है.

ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर असर और कच्चे माल की कीमत बढ़ने से महंगाई बढ़ने का खतरा: क्रिसिल

नई दिल्ली ■ ब्यूरो

अग्रणी रेटिंग एजेंसी क्रिसिल ने बुधवार को कहा है कि विभिन्न उद्योगों के लिए पिछले कुछ समय के दौरान लागत मूल्य में तेज बढ़ोतरी हुई है। इसके साथ ही ग्रामीण अर्थव्यवस्था के तेजी से पटरी पर लौटने की गति को भी कोरोना की दूसरी लहर से धक्का लगा है। इन परिस्थितियों में महंगाई दर के एक बार फिर से बढ़ जाने का खतरा पैदा हुआ है। क्रिसिल ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि इसके कारण खुदरा महंगाई दर के पांच फीसद से ऊपर चले जाने का जोखिम है।

उल्लेखनीय है कि सब्जियों, अनाज और खाने- पीने की दूसरी वस्तुओं के दाम घटने से खुदरा महंगाई की रफ्तार अप्रैल में सुस्त होकर 4.29 फीसद रही। यह पिछले तीन महीनों में खुदरा महंगाई की सबसे निचली दर है। वहीं खाने-पीने का सामान, कच्चा तेल और उत्पादित वस्तुओं के दाम बढ़ने से अप्रैल में थोक महंगाई दर 10.49 फीसद के साथ अब तक के उच्च स्तर पर जा पहुंची। भारतीय रिजर्व बैंक ने दो फीसद उतार-चढ़ाव के साथ खुदरा महंगाई दर चार फीसद पर रखने का लक्ष्य निर्धारित किया हुआ है। बीते वित्त वर्ष के दौरान महंगाई की ऊंची दर के चलते ही आरबीआइ पूरे वर्ष भर नीतिगत ब्याज दरों में कटौती नहीं कर सका। क्रिसिल ने कहा कि राष्ट्रीय स्तर पर लॉकडाउन के कारण अप्रैल और मई, 2020 के आंकड़ों का संग्रह नहीं हो सका है। ऐसे में इस वर्ष अप्रैल और मई के बहुत से आंकड़ों की तुलना पिछले वर्ष से करना उचित नहीं होगा। रिपोर्ट के अनुसार, वैश्विक स्तर पर जिंसों के दाम में तेजी से कच्चे माल की लागत बढ़ रही है। इससे मैन्यूफैक्चरिंग कंपनियों पर बुरा असर पड़ा है और घरेलू बाजार में महंगाई बढ़ रही है।

क्रिसिल का कहना है कि कच्चे तेल की कीमत इस वक्त 65 डॉलर प्रति बैरल के आसपास है, जो पिछले वर्ष इन्हीं दिनों के मुकाबले दोगुने स्तर पर है। खाद्य तेलों के दाम सालाना आधार पर 57 फीसद अधिक हैं और धातु सूचकांक भी 76 फीसद अधिक है। पेट्रोल-डीजल की महंगाई के चलते परिवहन लागत बहुत बढ़ गई है। कच्चे माल के बढ़ते दाम का भार फिलहाल उपभोक्ताओं से अधिक निमार्ताओं पर है। इसका असर यह होगा कि जैसे ही मांग बढ़ेगी, यह बोझ ग्राहकों पर डाल दिया जाएगा।

सोने के हाजिर भाव में आया अच्छा-खासा उछाल, चांदी में भारी बढ़ोत्तरी

नई दिल्ली ■ ब्यूरो

घरेलू सराफा बाजार में बुधवार को सोने और चांदी दोनों ही कीमती धातुओं के भाव में बढ़ोत्तरी दर्ज की गई। एचडीएफसी सिक्युरिटीज के अनुसार, राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में बुधवार को सोने का हाजिर भाव 527 रुपये की बढ़त के साथ 48,589 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ। वैश्विक स्तर पर कीमतों में बढ़त के चलते घरेलू बाजार में यह तेजी दर्ज हुई। गौरतलब है कि पिछले सत्र में सोना 48,062 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव पर बंद हुआ था। सोने के साथ ही चांदी के हाजिर भाव में भी बुधवार को अच्छी-खासी बढ़त दर्ज की गई। चांदी के भाव में बुधवार को भारी मांग के चलते 1,043 रुपये प्रति किलोग्राम की बढ़त दर्ज हुई। इस बढ़त से चांदी का भाव 71,775 रुपये प्रति किलोग्राम हो गया। गौरतलब है कि चांदी पिछले सत्र में 70,732 रुपये प्रति किलोग्राम के भाव पर बंद हुई थी। अंतरराष्ट्रीय स्तर की बात करें, तो बुधवार को सोना बढ़त के साथ 1,908 डॉलर प्रति औंस पर ट्रेड करता दिखा। वहीं, चांदी का वैश्विक भाव 28.07 डॉलर प्रति औंस पर स्थिर ट्रेड करता दिखाई दिया। निवेश परामर्श कंपनी के फाउंडर एवं सीईओ निश भट्ट ने कहा, सोने की कीमतें वैश्विक वायदा कीमतों के साथ पिछले कुछ सत्रों से लगातार बढ़ रही हैं। इस तेजी से सोने का भाव बुधवार को कारोबार के दौरान चार महीनों का उच्च स्तर बनाते हुए 49,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के ऊपर पहुंच गया। भट्ट ने आगे कहा, सोने की कीमतों में बढ़ोत्तरी यूएस ट्रेजरी यील्ड्स और यूएस डॉलर में गिरावट के कारण है।

खास बातचीत ओलंपिक से पहले मुकाबला जीतने से खिलाड़ी का आत्मविश्वास बढ़ता है, वह शारीरिक और मानसिक रूप से मजबूत होता है

ओलंपिक में महिला पहलवानों से चार पदक की उम्मीद

सोनीपत ■ एजेंसी

ओलंपिक कोटा हासिल करने वाली भारतीय महिला पहलवानों का दल अबकी बार पिछली बार से मजबूत स्थिति में है। विनेश फोगाट, सीमा बिसला, सोनम मलिक और अंशु मलिक का लक्ष्य टोक्यो ओलंपिक में पदक जीतना है। सोनीपत के गांव खानपुर कलां के रहने वाले भारतीय टीम के मुख्य कोच कुलदीप सिंह मलिक से नंदकिशोर भारद्वाज ने खास बातचीत की। पेश हैं प्रमुख अंश ओलंपिक के लिए कोटा हासिल करने वाली सभी चारों महिला पहलवान अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर रही हैं। चारों को कड़ा अभ्यास और अंतरराष्ट्रीय कुश्ती की सभी बारीकियां सिखाई गई हैं। विनेश को छोड़कर सभी अपने गृह जिलों में इन दिनों कड़ा अभ्यास कर रही हैं। अभ्यास शिविर तो लगना चाहिए था लेकिन खिलाड़ियों को कोरोना जैसी खतरनाक महामारी से भी बचाना जरूरी है। एशियन कुश्ती चैंपियनशिप के बाद सोनीपत साई में शिविर लगाए जाने पर विचार हो रहा था लेकिन महामारी ने विकराल रूप धारण कर लिया, इसलिए शिविर नहीं लगाकर सभी निजी तौर पर अभ्यास करने को कहा गया है।

चारों से पदक जीतने की उम्मीदें हैं। इस साल महिला टीम पदक जीतने का रिकॉर्ड बना सकती हैं। विनेश फोगाट अपनी शीर्ष फॉर्म में हैं। अंशु मलिक और सोनम मलिक दोनों युवा उभरती पहलवान हैं।

दोनों की आक्रामक रणनीति विरोधी पहलवान को पस्त करने की होती है। पिछले मुकाबलों को देखकर अंदाजा लगाया जा सकता है कि सीमा अपने बेहतर प्रदर्शन के चरम पर है। सही अभ्यास तो शिविर में ही होता है। तीनों पहलवान अपने-अपने गृह जिलों में कड़ा अभ्यास कर रही हैं। मैं हर रोज फोन कर तैयारियों के बारे में पूछता हूं। तीनों को ऑनलाइन दांव भी सिखा रहा हूं। आठ से 12 जून तक चारों पोलैंड में विश्व रैंकिंग सीरीज में हिस्सा लेंगी, तब तक अभ्यास शिविर की जगह भी फाइनल हो जाने की उम्मीद है।ओलंपिक जैसे अंतरराष्ट्रीय स्तर के मुकाबले से पहले सभी पहलवानों को अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतिद्वंद्वियों से मुकाबले की जरूरत होती है।

विश्व रैंकिंग सीरीज में चारों पहलवान अपनी तैयारियों को परखेंगी। इस दौरान रहने वाली अपनी कमियों पर ध्यान केंद्रीत करेंगी। ओलंपिक से पहले मुकाबला जीतने से खिलाड़ी का आत्मविश्वास बढ़ता है। वह शारीरिक और मानसिक रूप से मजबूत होता है। इसके बाद अगर यूरोप के किसी देश में अभ्यास शिविर लगता है तो उसका अधिक फायदा मिलेगा।

न्यूज. ब्रीफ

धौनी ही चेन्नई सुपर किंग्स को खुद को टीम से अलग करने कह देंगे- चोपड़ा

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग के 14वें सीजन के बाद एक मेगा ऑक्शन किया जाना है। इसमें कई टीमें अपने अपने बड़े खिलाड़ियों को रिटेन करेंगी जबकि कई खिलाड़ियों को बाहर का रास्ता भी दिखाया जा सकता है। चेन्नई सुपर किंग्स की टीम कप्तान महेंद्र सिंह धौनी को अपने साथ बनाए रखना चाहेगी लेकिन वह खुद को रिलीज किए जाने की बात कह सकते है। पूर्व भारतीय बल्लेबाज आकाश चोपड़ा का कुछ ऐसा ही मानना है। आकाश ने कहा, चेन्नई सुपर किंग्स महेंद्र सिंह धौनी को बिल्कुल सबसे ऊपर रखेंगी और वो भी ऐसा ही करेंगे। लेकिन अगर जो आप धौनी से पूछेंगे तो वो शायद खुद ही बोल देंगे आप मुझे क्यों टीम में रिटेन कर रहे है क्योंकि वह उनके साथ अगले तीन साल के लिए नहीं रहने वाले है। वो उनके ऊपर इतना सारा पैसा आखिर क्यों फसाना चाहते है लेकिन ये कुछ ऐसा ही रहने वाला है। सीएसके और एमएस धौनी काफी हद तक एक ही है।

इस भारतीय गेंदबाज को टीम इंडिया ने किया मना, कहा - अब वो बूढ़े हो गए हैं

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम में उन खिलाड़ियों को मौका मिलता है जो घरेलू स्तर पर यानी रणजी ट्रॉफी, विजय हजारे ट्रॉफी, सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में अच्छा प्रदर्शन करता है साथ ही साथ अब खिलाड़ियों के आइपीएल के प्रदर्शन को भी तवज्जो दी जाती है। अब 2019-20 सीजन में घरेलू स्तर पर लेफ्ट आर्म पेसर जयदेव उनाकट ने सबसे ज्यादा 67 विकेट लिए। उनके इस शानदार प्रदर्शन के बावजूद उन्हें इग्लैंड दौरे के लिए भारतीय टेस्ट टीम में जगह नहीं दी गई। जयदेव उनाकट इस वक्त 29 साल के है, लेकिन उन्हें लेकर भारतीय सेलेक्टर का कहना है कि, वो भारतीय टीम में वापस के लिए अब बूढ़े हो चुके है। टाइम्स ऑफ इंडिया से बात करते हुए पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज करसन घावरी ने एक खुलासा किया और बताया कि, उन्होंने बीसीसीआइ के एक सेलेक्टर से बात की थी और उस वक्तव्यकर्ता ने कहा कि, बोर्ड उनके नाम पर विचार नहीं करेगा। घावरी ने कहा कि, मैंने 2019-20 सीजन के रणजी ट्रॉफी फाइनल के दौरान एक सेलेक्टर से पूछा था कि, अगर कोई गेंदबाज 60 से ज्यादा विकेट लेता है और अपनी टीम को अपनी गेंदबाजी के दम पर फाइनल तक पहुंचाता है तो उसे कम से कम इंडिया ए टीम में तो सेलेक्ट किया जाना चाहिए। इसके बाद उस सेलेक्टर ने मुझसे कहा कि, करसन भाई वो अब भारतीय टीम में कभी नहीं चुने जाएंगे। हमलोग लगभग 30 साल के हो चुके खिलाड़ी के नाम पर विचार नहीं करते।

ओलंपिक में भारतीय पुरुष हॉकी टीम के पास इतिहास रचने का मौका : नीलाकांता

बेंगलुरु। भारतीय मिडफील्डर नीलाकांता शर्मा को भरोसा है कि भारतीय पुरुष हॉकी टीम आगामी टोक्यो ओलंपिक में फिर इतिहास रचेगी और उनका कहना है कि चार दशक से चले रहे आ रहे पदक के सूखे को समाप्त करने के लिए सही समय पर अच्छा प्रदर्शन करना जरूरी है। नीलाकांता कप्तान मनप्रीत सिंह के साथ भारतीय टीम के मिडफील्ड के अहम खिलाड़ी है। उन्होंने कहा, 'हर कोई अपने खेल के बारे में आत्मविश्वास से भरा है और अगर हम अपनी पूरी क्षमता के अनुसार खेलते है तो हम निश्चित रूप से टोक्यो ओलंपिक में इतिहास रच सकते हैं।' मणिपुर के इस खिलाड़ी ने कहा कि वह मनप्रीत के बड़े प्रशंसक है जिनसे उन्होंने काफी कुछ सीखा है। उन्होंने कहा, 'मैं काफी भाग्यशाली हू कि मुझे मिडफील्ड में मनप्रीत सिंह जैसे खिलाड़ी के साथ खेलने का मौका मिला। मैंने उनसे काफी कुछ सीखा है।'

जापान में व्यापक स्तर पर शुरू हुई वैक्सीनेशन प्रक्रिया

टोक्यो। जापान में टोक्यो ओलंपिक के शुरू होने में करीब दो महीने का समय बचा है। ऐसे में सरकार ने व्यापक स्तर पर वैक्सीनेशन प्रक्रिया शुरू कर दी है। देश में ओलंपिक के शुरू होने से पहले ही टोक्यो और ओसाका में बड़े स्तर पर वैक्सीनेशन केंद्र खोले गए हैं। सरकार ने जुलाई के अंत तक 65 साल या इससे ऊपर के सभी 3.6 करोड़ नागरिकों का टीकाकरण पूरा करने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किया है। इसके लिए पिछले सप्ताह ही वैक्सीनेशन केंद्र खोले जाने की मंजूरी दी गई है। जापान की मीडिया के मुताबिक, अगले तीन महीने में टोक्यो में प्रतिदिन 10000 तथा ओसाका में प्रतिदिन 5000 लोगों के टीकाकरण का लक्ष्य रखा गया है। आइची, गुनमा और मियागी में भी एक दिन में क्रमश : 3000, 1000 और 2100 लोगों को वैक्सीन लगाने के उद्देश्य से सामूहिक टीकाकरण केंद्र खोल गए हैं। टोक्यो ओलंपिक खेलों का आयोजन 23 जुलाई से आठ अगस्त तक किया जाएगा।

यूरो 2020 के बाद जर्मनी का कोच पद संभालेंगे फ्लिक

बर्लिन। हंसी फ्लिक यूरोपीय फुटबॉल चैंपियनशिप 2020 के बाद जर्मनी के कोच का पद संभालेंगे। फ्लिक मौजूदा कोच जोकिम लो की जगह लेंगे। जर्मन फुटबॉल महासंघ ने मंगलवार को बताया कि फ्लिक ने तीन साल का अनुबंध किया है जो एक जुलाई से प्रभावी होगा। फ्लिक इससे पहले जर्मनी की राष्ट्रीय फुटबॉल टीम के साथ लो के सहायक के रूप में काम कर चुके है। यूरो 2020 के बाद अलविदा कहने वाले लो 15 साल से टीम के साथ जुड़े थे। फ्लिक इससे पहले बायर्न म्यूनिख के साथ जुड़े थे और टीम के उनके मार्गदर्शन में अंतिम मुकाबला शनिवार को खेला। जर्मनी के महासंघ के उपाध्यक्ष पीटर पीटर्स ने कहा, 'यह शानदार है कि फ्लिक राष्ट्रीय टीम के कोच के रूप में महासंघ में वापसी कर रहे है।' फ्लिक 2006 से 2014 तक लो के सहायक रहे। इस जोड़ी के मार्गदर्शन में जर्मनी ने ब्राजील में विश्व कप भी जीता। वह इसके बाद 2017 तक महासंघ के खेल निदेशक रहे और इसके बाद होफेनहीम से जुड़े। फ्लिक के मार्गदर्शन में बायर्न म्यूनिख ने दो बुंडिशलीगा खिताब, चैंपियंस लीग खिताब और जर्मन कप खिताब जीता।

दैनिक पुष्पांजली टुडे

ऊर्जा मंत्री ने ली पूर्व मुख्यमंत्री पर चुटकी:कमलनाथ के पास सही आंकड़े हैं तो बताएं, आंकड़ों की बाजीगरी का उनका पुराना अनुभव है

ग्वालियर। कमलनाथ के भाजपा पर आंकड़ों की बाजीगरी के आरोप पर ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने शुक्रवार को चुटकी ली है। उन्होंने कमलनाथ को खुली चुनौती दी है कि उनके पास सही आंकड़े हैं तो बताएं। आपदा में राजनीति न करें। साथ ही कहा है कि आंकड़ों में बाजीगरी का पूर्व ष्टरूका पुराना अनुभव है। शायद 60 साल तक वह यही करते आए हैं। पर उनको मेरी सलाह है। आपदा में जब लोग जिंदगी और मौत के बीच झूल रहे हैं। तब राजनीति न करें। मध्यप्रदेश में कांग्रेस की 15 महीने की सरकार के मुखिया रह चुके पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने कुछ दिन पहले कोरोना से हुई मौत के आंकड़ों पर सवाल खड़े किए थे। उन्होंने कोरोना से मौत कम दिखाने पर इसे भाजपा और ष्टरूशिवराज सिंह द्वारा आंकड़ों की बाजीगरी बताया था। इस बयान पर पूरी भाजपा कमलनाथ के पीछे पड़ गई है। इसमें हमेशा विवादों से दूर रहने वाले ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर भी कूद पड़े हैं। उन्होंने तो कमलनाथ को खुली चुनौती तक दे डाली है। उनका कहना है कि उनके पास कोई आंकड़ा हो तो वह सामने लाएं। साथ ही यहां तक कह किया कि आंकड़ों की बाजीगरी में उनको पूरा अनुभव है। बीते 60 साल से वह और कांग्रेस यही करती आई है।

चंबल में लोग मर रहे थे तो इन्होंने कदम तक नहीं रखा था– ऊर्जा मंत्री तोमर ने कहा कि जब कमलनाथ प्रदेश के मुख्यमंत्री थे तो उस समय चंबल में बांढ़ आई थी। लोग मर रहे थे। उस समय इन्होंने यहां कदम तक नहीं रखा था। आज यह हमें नसीहत दे रहे हैं। उस समय मैं, राज्यसभा सांसद ज्योतिरादित्य सिंधिया, शिवराज सिंह वहां गए थे, लेकिन कमलनाथ नहीं आए। अब यह बड़ी-बड़ी बातें कर रहे हैं। यह समय मिलकर काम करने का है ऊर्जा मंत्री तोमर का कहना है कि कोरोना वायरस महामारी के रूप में लोगों के लिए आफत बना हुआ है। आपदा के इस दौर में जब लोग परेशान हैं तो सभी को मिलकर प्रयास करना चाहिए। ऐसे में इस तरह के बोल नहीं बोलना चाहिए। जिससे भय उत्पन्न हो और लोग डर जाएं। राजनीति के लिए बहुत समय है। यह आपदा का दौर है मिलकर काम सेवा करना चाहिए।

खुशियों की दास्तां

अंगूरी कहती हैं सरकार की योजना ने हमें कोरोना संकट से उबार दिया

ग्वालियर। वैश्विक महामारी कोरोना ने लोगों को बहुत दर्द दिया है। किसी की रोजी-रोटी छिनी तो किसी ने अपनों को खो दिया। इस घोर संकट के बीच प्रदेश सरकार द्वारा संचालित योजनाओं ने कोरोना से प्रभावित लोगों को बड़ा संबल दिया है। अंगूरी देवी उन्हीं में से एक हैं, जिनके बेटों को संकट की घड़ी में सरकार की योजना से गांव में ही आजीविका मिली है। ग्वालियर जिले के विकासखण्ड मुरार के ग्राम टिहौली निवासी श्रीमती अंगूरी देवी के बेटे रामनिवास व धर्मेन्द्र पंजाब राज्य के पठान कोट में धंधा-पानी करने गए थे। परिवार का गुजारा आराम से चल रहा था। इसी बीच पिछले साल पंजाब के साथ पूरे देश में कोरोना ने पाँव पसारे। सरकार को कोरोना संक्रमण की चैन तोड़ने के लिये मजबूरन कोरोना कर्फ्यू और लॉकडाउन जैसे कदम उठाने पड़े। लॉकडाउन के दौरान रामनिवास व धर्मेन्द्र की रोजी-रोटी जाती रही। लॉकडाउन लगा तो रामनिवास व धर्मेन्द्र अपने गाँव टिहौली लौट आए। कुछ दिन तो जमा पूंजी से काम चल गया। लेकिन इसके बाद दो जून की रोटी भी मुश्किल हो गई। ऐसे में श्रीमती अंगूरी देवी द्वारा कुछ वर्षों पूर्व दिखाई गई समझदारी काम आई। अंगूरी राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत गाँव में बने रतनगढ़ वाली माता स्व-सहायता समूह से जुड़ गई थीं। जब कहीं आसरा नहीं दिखा तो अंगूरी ने अपने समूह की बैठक में ऋण की गुहार लगाई। सर्व सम्मति से अंगूरी को 5 हजार रूपए का ऋण मिल गया, जिससे उन्होंने अपने बेटों के लिए सब्जी की दुकान खुलवा दी। दुकान चली तो रामनिवास और धर्मेन्द्र के हौसले भी बढ़ गए। उन्होंने मुख्यमंत्री ग्रामीण पथ विक्रेता योजना से मदद लेने के लिये ऑनलाइन फार्म भर दिया। जल्द ही उटीला स्थित सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया की शाखा से उन्हें 10 हजार रूपए की आर्थिक मदद मिल गई। इससे उन्होंने अपनी दुकान को और ऊँचाईयां प्रदान की। आमदनी बढ़ी तो दोनों भाईयों ने अलग-अलग दुकानें खोल लीं। अंगूरी देवी बताती हैं कि सब्जी के इस छोटे से कारोबार से उन्हें हर माह 10 से 12 हजार रूपए की आमदनी हो जाती है। वे कहती हैं उनके बेटों ने 4 हजार रूपए की ऋण वापसी भी कर दी है। अंगूरी का कहना है कि संकट के समय मुख्यमंत्री ग्रामीण पथ विक्रेता योजना ने हमारे परिवार को आत्मनिर्भर बना दिया है।

बीएससी की छात्रा से पंचर जोड़ने वाले गांव के युवक ने चाकू की नोंक पर किया रेप

शादी के 5 महीने बाद पति-ससुर के मोबाइल पर भेजा वीडियो

ग्वालियर। ग्वालियर में बीएससी की छात्रा के साथ ही उसके ही गांव में पंक्चर जोड़ने वाले एक युवक ने रेप किया था। चाकू की नोंक पर कपड़े उतारकर उसका वीडियो बना लिया। इसके बाद आरोपी उसे अक्सर ब्लैकमेल कर बुलाता रहा। घटना चित्रा कॉलेज के पास उस समय की है जब छात्रा जनवरी में परीक्षा देने आई थी। इसी बीच छात्रा की शादी हो गई। शादी के 5 महीने बाद पति के मोबाइल पर पत्नी के न्यूड वीडियो पहुंचे तो पता लगा कि उसकी पत्नी के साथ रेप हुआ था। अब आरोपी उसे ब्लैकमेल कर रहा है। इसके बाद से उसकी शादी शुदा जिंदगी में भूचाल मचा है। पीड़ित महिला की शिकायत पर कंपू थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। 20 वर्षीय छात्रा ग्वालियर के केआरजी कॉलेज में बीएससी की छात्रा है। वह अक्सर बस से सीधे कॉलेज आती थी और क्लास अटेंड करने के बाद शाम को अपने घर चली जाती थी। इसी दौरान गांव में पंक्चर जोड़ने का काम करने वाला

दीपक जाटव उसका बस में पीछा करता था। अक्सर बात करने का प्रयास किया। दीपक की कल्याणी तिराहा पर पंक्चर जोड़ने की दुकान है। जनवरी में वह जब परीक्षा देने कॉलेज आई थी तो लौटते समय कॉलेज के बाहर बाइक लेकर दीपक मिला था। उसने छोटी अकबई तक लिफ्ट देने के लिए कहा। छात्रा ने लिफ्ट ले ली तो युवक उसे कैंसर पहाड़ी के पास किसी रूम पर ले गया। यहां चाकू की नोंक पर छात्रा के साथ दुष्कर्म किया। उसके सारे कपड़े उतरवाकर वीडियो शूट कर लिया। इसके बाद वह उसे ब्लैकमेल करने लगा। इसी बीच छात्रा की दबोह भिंड में शादी हो गई।

पति-ससुर को भेजा वीडियो– शादी के बाद भी आरोपी नहीं माना और वीडियो वायरल करने की धमकी देकर युवती को बुलाया। पर वह नहीं गई और उसने कॉल रिसीव करना बंद कर दिया। इस पर आरोपी ने 25 मई 2021 को छात्रा के अश्लील वीडियो उसके पति, ससुर के मोबाइल पर भेज दिए। मोबाइल पर नई बहू के ऐसे वीड़ियो देखकर ससुराल में हंगामा खड़ा हो गया। इसके बाद युवती अपने पति के साथ कंपू थाना पहुंची और शिकायत की। पुलिस ने शुक्रवार सुबह दुष्कर्म का मामला दर्ज कर लिया है।

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए रबी की समीक्षा एवं खरीफ फसलों की तैयारी बैठक 2 जून को

ग्वालियर। मौजूदा रबी मौसम में पैदा हुई फसलों की समीक्षा एवं आगामी खरीफ मौसम की तैयारी के लिये वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए कृषि उत्पादन आयुक्त की अध्यक्षता में संभाग स्तरीय समीक्षा बैठकें आयोजित हो रही हैं। इस क्रम में ग्वालियर एवं चंबल संभाग की समीक्षा बैठक 2 जून को होगी। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए यह बैठक प्रातः 10 बजे शुरू होगी। उप संचालक किसान कल्याण एवं कृषि विकास से प्राप्त जानकारी के मुताबिक कृषि उत्पादन आयुक्त की अध्यक्षता में ग्वालियर एवं चंबल संभाग की बैठक में प्रातः 10 बजे से कृषि एवं संबद्ध संस्थाओं की समीक्षा होगी। इसके बाद 11.15 बजे सहकारिता, दोपहर 12 बजे उद्यानिकी, 12.45 बजे से पशुपालन एवं डेयरी व दोपहर 1.30 बजे से मछुआ कल्याण एवं मत्स्य विभाग की समीक्षा की जायेगी।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने वीर सावरकर के चित्र पर किया माल्यार्पण

ग्वालियर। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, वीर सावरकर जी की जयंती के अवसर पर निवास पर उनके चित्र पर माल्यार्पण किया। वीर सावरकर महान क्रांतिकारी, चिंतक, लेखक, कवि, दूरदर्शी राजनेता और प्रखर राष्ट्रवादी थे। उन्होंने भारतीय स्वतंत्रता संग्राम पर पुस्तक लिखी। स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान वीर सावरकर को काला पानी की सजा दी गई थी। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने आजादी की लड़ाई के महान सेनानी और प्रखर राष्ट्रभक्त वीर सावरकर को उनकी जयंती पर नमन किया।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने आम का पौधा लगाया

ग्वालियर। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने मुख्यमंत्री निवास परिसर में आम का पौधा लगाया। मुख्यमंत्री श्री चौहान प्रतिदिन अपने संकल्प के तहत एक पौधा लगाते हैं।

ऑन लाइन जॉब फेयर के लिये माई एम.पी. रोजगार पोर्टल पर मिलेगी सूचना

ग्वालियर। कोविंड 19 की स्थिति के कारण जहाँ एक ओर नियोजक अपने पास उपलब्ध रिक्त स्थान की पूर्ति के लिए निर्धारित योग्यताधारी आवेदकों के चयन की प्रक्रिया नहीं कर पा रहे है। वहीं दूसरी ओर बेरोजगार आवेदकों को साक्षात्कार की सूचना प्राप्त नहीं हो पा रही है। इस समस्या के समाधान के लिये रोजगार संचालनालय के माई एम.पी. रोजगार पोर्टल पर वर्चुअल प्लेटफार्म उपलब्ध करवाया गया है। जिसके माध्यम से आवेदक अपने घर से ही काउन्सिलिंग प्राप्त कर सकते हैं और ऑनलाइन साक्षात्कार भी दे सकते है। इस सुविधा का लाभ प्राप्त करने के लिए नियोजकों को अपने जिले के रोजगार कार्यालय में दूरभाष और ई-मेल के माध्यम से संपर्क करना होगा एवं रिक्ति के संबंध में विस्तृत विवरण देना होगा। प्राप्त विवरण के आधार पर रोजगार कार्यालय द्वारा पोर्टल पर ऑन लाईन जॉब फेयर क्रिएट किया जाएगा। क्रिएट जॉब फेयर की जानकारी पोर्टल के होम पेज पर प्रदर्शित होगी। इच्छुक आवेदक संबंधित जॉब फेयर पर अपना आवेदन कर सकता है। वर्चुअल साक्षात्कार का आयोजन रोजगार अधिकारी द्वारा किया जाएगा एवं नियोजक और आवेदक दोनों को सूचित किया जाएगा।

राष्ट्रीय पेंशन योजना में शासकीय अंशदान अब 14 प्रतिशत

ग्वालियर। राज्य शासन द्वारा राष्ट्रीय पेंशन योजना में शासकीय अंशदान 10 प्रतिशत से बढ़ाकर 14 प्रतिशत कर दिया गया। उप सचिव वित्त अखिल कुमार वर्मा ने जानकारी दी है कि राष्ट्रीय पेंशन योजना में अब कर्मचारियों का मासिक अंशदान, वेतन और मंहगाई भत्ते का 10 प्रतिशत होगा तथा राज्य शासन का मासिक अंशदान मंहगाई भत्ते और वेतन का 14 प्रतिशत होगा। यह प्रावधान एक अप्रैल 2021 से लागू किया गया है। राष्ट्रीय पेंशन योजना एक जनवरी 2005 या उसके बाद नियुक्त शासकीय सेवकों के लिए लागू की गई है।

बैलेंस राशि आउटसोर्स कार्मिकों के खाते में जमा

ग्वालियर। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के अंतर्गत कतिपय वृत्तों में आउटसोर्स कर्मचारियों को कलेक्टर रेट से कम वेतन मिलने की शिकायतें प्राप्त हुई थी। कंपनी के उच्च प्रबंधन ने शिकायतों को संज्ञान में लेते हुए तत्काल जाँच कराई और पाया गया कि भोपाल रीजन में शहर वृत्त भोपाल, रायसेन, सीहोर, राजगढ़, विदिशा एवं ग्वालियर रीजन में गुना, अशोकनगर, संचारण संधारण ग्वालियर, दतिया एवं भिण्ड में आउटसोर्स कर्मचारियों को कंपनी से अनुबंधित आउटसोर्स एजेंसियों द्वारा कम वेतन दिया गया है। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा तत्काल कार्यवाही करते हुए मैदानी वृत्तों के महाप्रबंधकों को जांच के निर्देश दिए गए एवं आउटसोर्स एजेंसी के कर्मचारियों को मिलने वाले कुल वेतन के एवज में मिले कम वेतन के अंतर (बैलेंस) की राशि को संबंधित आउटसोर्स कार्मिकों के बैंक खाते डाल दिया गया है। गौर तलब है कि ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने आउटसोर्स कर्मचारियों को निर्धारित वेतन दिलवाने के निर्देश दिये थे। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के प्रबंध संचालक श्री गणेश शंकर मिश्रा ने सभी वृत्तों के महाप्रबंधकों को सचेत किया है कि वे आउटसोर्स एजेंसी के कार्यों पर निगरानी रखें और आउटसोर्स कर्मचारियों को नियमानुसार मिलने वाले वेतन देने के लिए अपने वृत्त में कार्यरत प्रबंधक (मानव संसाधन) को ताकीद करें। कुछ आउटसोर्स एजेंसी द्वारा की गई लापरवाही के विरूद्ध कंपनी ने कारण बताओ नोटिस जारी किया है और भविष्य में वेतन को लेकर किसी भी प्रकार की विसंगति नहीं होने के निर्देश दिए हैं। प्रबंध संचालक ने स्पष्ट किया है कि कंपनी के कामकाज को करने वाले आउससोर्स कर्मचारी कंपनी के कुल मानव संसाधन का अहम हिस्सा हैं और उन्हें किसी भी प्रकार की वेतन संबंधी दिक्कतें नहीं आनी चाहिए। कंपनी ने यह भी कहा है कि आउटसोर्स कर्मचारी किसी भी प्रकार की दिक्कतों के लिए संबंधित महाप्रबंधक और प्रबंधक (मानव संसाधन) से संपर्क कर अपनी शिकायतों का निराकरण करा सकते हैं।

बिजली के अवैध उपयोग की सूचना देने पर मिलेगा पुरस्कार

ग्वालियर। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा बिजली चोरी की रोकथाम के लिए इनाम योजना घोषित की है। अवैध उपयोग की सूचना देने पर निर्धारित शर्तों के अधीन पारितोषिक देने का प्रावधान है। सूचना के आधार पर राशि वसूली होने पर सूचनाकर्ता को 10 प्रतिशत राशि का भुगतान किया जाएगा। इस राशि की अधिकतम सीमा नहीं है। बिजली के अवैध उपयोग/चोरी के संबंध में मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा कंपनी मुख्यालय एवं क्षेत्रीय मुख्यालयों के अलावा क्षेत्रीय महाप्रबंधकों को भी लिखित अथवा दूरभाष पर सूचना दी जा सकती है। सूचनाकर्ता की जानकारी गोपनीय रखने की जिम्मेदारी संबंधित अधिकारी की रहेगी। कंपनी के अधिकारी-कर्मचारी को सूचनाकर्ता नहीं माना जाएगा। सूचनाकर्ता को प्रोत्साहन राशि का भुगतान कंपनी मुख्यालय से किया जाएगा। प्रोत्साहन राशि सीधे सूचनाकर्ता के बैंक खाते में जमा की जाएगी। प्रकरण बनाने एवं राशि वसूली करने वाले विभागीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों को भी ढाई प्रतिशत राशि प्रोत्साहन के रूप में दी जाएगी। कंपनी मुख्यालय में इस योजना के क्रियान्वयन के लिए विजिलेंस सेल गठित किया गया है। इस विजिलेंस सेल को भी सूचना भेजी जा सकती है। विजिलेंस सेल का पता है = विजिलेंस सेल, कार्यालय प्रबंध संचालक, म.प्र.म.क्षे.वि.वि.कं.लि,गोविन्दपुरा, भोपाल। इसके अलावा कॉल सेन्टर के नंबर 1912 अथवा एप पर भी सूचना देने का विकल्प है।

मुंहबाद फिर पुराने दोस्तों के बीच चलीं गोलियां:जमीन के लिए बहाया खून, बातचीत से नहीं सुलझा मामला

हमलावरों ने चलाई गोलियां पिता-पुत्र समेत 3 घायल

ग्वालियर। बेलगढ़ा में जमीन के लिए गांव के दो पुराने दोस्त एक दूसरे की जान लेने पर उतर आए। बातचीत करने पहुंचे जाट परिवार ने मामला सुलझता नहीं देखा तो राइफल व कट्टे निकालकर फायरिंग शुरू कर दी। हमले से बचने के लिए पंचायत में बैठे लोग जान बचाने भागे। गोलीबारी में पिता-पुत्र सहित 3 घायल हो गए हैं। घटना गुरुवार रात बेलगढ़ा के मस्तूरा गांव की है। घायलों को ग्वालियर जयारोग्य अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हमलावर फरार हो गए हैं।

पुलिस ने हमलावरों पर हत्या के प्रयास का मामला दर्ज कर लिया है। बेलगढ़ा के मस्तूरा गांव निवासी अजय पुत्र प्रताप सिंह का गांव में ही एक जमीन को लेकर गांव में रहने वाले विक्रम जाट, शिवम, उमेश के परिवार से विवाद चल रहा है। किसी समय दोनों परिवारों के बीच काफी गहरी दोस्ती थी।इसके बाद यह जमीन का विवाद दोनों परिवारों के बीच में आया। जिस कारण दोस्ती दुश्मनी में बदल गई। गुरुवार रात अजय अपने परिवार के साथ घर के बाहर बैठा था। तभी बातचीत करने के लिए विक्रम जाटव, शिवम, उमेश व एक अन्य हाथों में हथियार लेकर आए।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक, एवं संपादक भरत सिंह चौहान। पुष्पांजली प्रिंटर्स गोवर्धन कॉलोनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, जिला ग्वालियर (म.प्र.) से मुद्रित एवं दीपू इलेक्ट्रोनिक्स, पंजीयन क्रमांक/ एम.पी.एच.आई.एन. /31130 निगम हनुमान मंदिर, गोवर्धन कॉलोनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, ग्वालियर (म.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक - भरत सिंह चौहान E-mail : pushpanjalitoday17@gmail.com 0751-4901333, M.: 8269307478